राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 28 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 29 नवंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका से रविवार को तमिलनाडु पहुंचेगा चक्रवात दितवाह, भारी बारिश की संभावना

नईदिल्ली। श्रीलंका के तटीय इलाकों में चक्रवात दितवाह की वजह से भारी बारिश हो रही है, जिससे वहां जनजीवन अस्त-व्यस्त है। यह चक्रवात रविवार तक तमिलनाडु पहुंच जाएगा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवात अभी श्रीलंका के तटीय इलाके और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर है। विभाग का कहना है कि चक्रवात 28 से 30 नवंबर को तमिलनाडु और पुडुचेरी पहुंचेगा। इस दौरान भारी बारिश होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि चक्रवात दितवाह पिछले 6 घंटों में 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ा है। अभी तूफान श्रीलंका के त्रिंकोमाली से 80 किलोमीटर, पुडुचेरी से 480 किलोमीटर और चेन्नई से 580 किलोमीटर की दूरी पर है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के बाद तूफान 29 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में पहुंचेगा। इस दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

विशाखापत्तनम चक्रवात चेतावनी केंद्र ने चक्रवात को लेकर उत्तरी और दक्षिणी तटीय जिलों में अलग-अलग चरणों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश की चेतावनी दी है। अधिकारी ने तेज हवाओं के कारण मछुआरों को समुद्र के पास न जाने की सलाह दी है। तटीय झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों जाने के लिए कहा गया है। बिजली गिरने की भी संभावना है। सड़क परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं पर भी सख्ती से रोक लगाने की बात कही है। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ की चपेट में आकर अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। देश के करीब 17 जिलों में 4,000 से अधिक लोग प्रभावित हैं। श्रीलंका में सभी स्कूल और सरकारी कार्यालय भी बंद हैं।

पहाड़ों में हुई बर्फवारी से दिल्ली एनसीआर में कड़ाके की ठंड शुरू,कोहरे का भी असर दिखना शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में नवंबर में दिन में धूप और रात में सर्दी का सितम जारी है. हालांकि दिल्ली का तापमान 9 डिग्री तक पहुंच गया है. वहीं, धुंध की चादर में दिल्ली एनसीआर लिपटा हुआ नजर आ रहा है. दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. जबकि, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. दिल्ली के रिज इलाके में सबसे कम अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. जो कि सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम है. जबकि, आयानगर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है. इस दौरान अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है. मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली एनसीआर में 28 नवंबर से लेकर 3 दिसंबर तक रात का तापमान 8 से 9 डिग्री सेल्सियस बना रहेगा. रात में हवाएं चलती रहेंगी. दिन में भी हवाएं चलने का सिलसिला जारी रहेगा.

हालांकि बहुत तेज हवाएं नहीं होगी. लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लेकर 13 किलोमीटर प्रति घंटे गिरफ्तार पर बनी रहेगी. दिल्ली में अक्षरधाम इलाके में आज सुबह धुंध की घनी चादर छाई हुई है, जिससे मंदिर का टीला दूर से मुश्किल से दिख रहा है.

एक लाख लोगों संग किया गीता पाठ

उडुपी में पीएम मोदी: दिव्य शब्दों से मिलती है एनर्जी

उडुपी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उडुपी में श्री कृष्ण मठ में लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम शामिल हुए. उन्होने भगवत गीता के श्लोक पढ़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी की पिछली पार्टी, जनसंघ के गुड गवर्नेंस मॉडल की तारीफ की. वहीं, इससे पहले पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों के साथ एक सुर में भगवत गीता पढ़ी, जिसमें छात्र, साधु, विद्वान और अलग-अलग तरह के लोग शामिल हुए.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के पूर्व विधायक वीएस आचार्य के उडुपी में किए गए काम को याद किया. उन्होंने कहा कि उडुपी आना मेरे लिए बहुत खास है. उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के अच्छे शासन के मॉडल की कर्मभूमि रही है. 1968 में, उडुपी के लोगों ने जनसंघ के वीएस आचार्य को उडुपी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए चुना था. इसके साथ ही, उडुपी ने एक नए शासन मॉडल की नींव रखी. आज हम जो सफाई अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था. उडुपी ने 70 के दशक में पानी की सप्लाई और ड्रेनेज सिस्टम का एक मॉडल बनाना शुरू किया था.

उन्होंने आगे कहा कि दुनिया ने भारत की दिव्यता देखी, जब एक लाख लोगों ने भगवत गीता के श्लोक पढ़े. प्रधानमंत्री ने कहा कि जब एक लाख लोग श्लोक पढ़ते हैं और दिव्य शब्द एक जगह गूंजते हैं, तो जो एनर्जी निकलती है, वह हमारे मन और शरीर को नई ताकत देती है. यह एनर्जी आध्यात्मिकता और सामाजिक एकता के पीछे की शक्ति है. गुजरात में उडुपी और द्वारका के बीच कनेक्शन बताते हुए, पीएम मोदी ने मठ के संस्थापक जगद्गुरु माधवाचार्य की तारीफ की.

उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले, मैं गीता की धरती कुरुक्षेत्र में था, और आज मैं भगवान कृष्ण के आशीर्वाद के साथ जगद्गुरु माधवाचार्य की धरती पर आ रहा हू, जिससे मुझे बहुत खुशी मिली है. मेरा जन्म गुजरात में हुआ था, और गुजरात और उडुपी का गहरा रिश्ता रहा है. ऐसा माना जाता है कि द्वारका में माता रुमिनी भगवान कृष्ण की मूर्ति की पूजा करती थीं, जिसे बाद में जगद्गुरु माधवाचार्य ने यहां स्थापित किया था. पिछले साल, मैं समुद्र के नीचे द्वारका गया था. यहां कृष्ण की मूर्ति के दर्शन ने मुझे एक रूहानी और आध्यात्मिक अनुभव दिया है.

अपने भाषण के दौरान, पीएम मोदी ने ड्यूटी पर तैनात अपने सिक्योरिटी और पुलिस वालों से बच्चों की बनाई पेंटिंग्स उनके लिए इकट्ठा करने को भी कहा. जगद्गुरु माधवाचार्य वंश के 30वें पुजारी सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने प्रधानमंत्री को रक्षा कवच और मोर पंख वाला हेडगियर देकर सम्मानित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने पाठ से पहले उडुपी में श्री कृष्ण मठ में संतों से बातचीत की.

प्रधानमंत्री ने कृष्ण गर्भगृह के सामने स्थित सुवर्ण तीर्थ मंडप का भी उद्घाटन किया और पवित्र कनकना किंडी के लिए कनक कवच (सोने का आवरण) समर्पित किया, यह एक पवित्र खिड़की है जिसके ज़रिए माना जाता है कि संत कनकदास ने भगवान कृष्ण के दिव्य दर्शन किए थे. प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से बताया गया कि उडुपी में श्री कृष्ण मठ की स्थापना 800 साल पहले वेदांत के द्वैत दर्शन के संस्थापक श्री माधवाचार्य ने की थी.

कार्यक्रम में शामिल होने से पहले पीएम मोदी ने उडुपी में एक रोड शो किया. इस दौरान राज्यपाल थावरचंद गहलोत, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और मंत्री बृहति सुरेश भी कार्यक्रम में शामिल रहे.

प्रधानमंत्री मोदी लक्ष कंठ गीता पारायण प्रोग्राम में शामिल हुए. यह एक भक्ति सभा है जिसमें 1,00,000 लोगों ने भाग लिए. इसमें स्टूडेंट्स, साधु, जानकार और अलग-अलग तरह के लोग थे. इन सभी लोगों ने पीएम मोदी के साथ मठ में श्रीमद् भगवद् गीता का पाठ किया.

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को देखते हुए कड़ी पुलिस सुरक्षा की गई है. डीएसपी हरिराम शंकर ने बताया कि 3000 से ज्यादा पुलिसवाले तैनात किए गए हैं.

टीडीपी कार्यकर्ताओं का डबल मर्डर केस

वाईएसआरसीपी नेता और उनके भाई की अग्रिम जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलुगु देशम पार्टी के दो कार्यकर्ताओं के डबल मर्डर केस में वाईएसआरसीपी नेता और पूर्व विधायक पिन्नेल्ली रामकृष्ण रेड्डी और उनके भाई पिन्नेल्ली वेंकटरामी रेड्डी की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करने से मना कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने भाइयों को दो सप्ताह में सरेंडर करने का निर्देश दिया.

यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच के सामने आया. वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे और शोएब आलम ने बेंच के सामने भाइयों की तरफ से बात की. सुनवाई के दौरान बेंच ने साफ कर दिया कि वह उनकी अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए तैयार नहीं है. बेंच ने कहा कि आरोपियों को वापस जेल जाना चाहिए क्योंकि उनकी हिरासत में जांच जरूरी है. बेंच ने कहा कि उन्हें हैरानी है कि उन्हें इस समय पर केस डायरी मिली. दवे ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीतिक दुश्मनी है. इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, ठीक है. तो, अंदर जाओ और बाहर आओ, तुम्हारा स्टेटस ऊंचा होगा. जब वकील ने एक बयान का ज़िक्र करने की कोशिश की, तो जस्टिस मेहता ने कहा कि कोर्ट एक अग्रिम जमानत के आवेदन पर विचार कर रहा है, ट्रायल पर नहीं, जहां पहला बयान देखा जाना चाहिए और दूसरा बयान भी देखा जाना चाहिए. बेंच ने कहा कि वह अग्रिम जमानत के इस मामले से जुड़े बयानों में कोई कमी या विरोधाभास ढूंढने की कोशिश नहीं कर रही है. जस्टिस मेहता ने याचिककर्ताओं की अग्रिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा, सॉरी, मुमकिन नहीं है. बिल्कुल मुमकिन नहींज्आप सभी का शुक्रिया मिस्टर दवे. जस्टिस मेहता ने कहा, टैम्परिंग, सीधी सी बात हैज्आपने गवाहों को मैनेज किया हैज जब वकील ने प्रेस स्टेटमेंट का ज़िक्र किया, तो बेंच ने कहा कि वह ट्रायल में भी प्रेस स्टेटमेंट पर विचार नहीं कर सकती. जस्टिस मेहता ने कहा, प्रेस स्टेटमेंट्स को हम हाथ भी नहीं लगाएंगेज्क्या मीडिया पर्सन क्या छापता है, इस पर उनका कंट्रोल है? यह महसूस होने के बाद कि बेंच इस मामले पर सुनवाई करने के लिए इच्छुक नहीं है, वकील ने बेंच से सरेंडर करने के लिए कुछ समय देने का आग्रह किया.

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ओवरलोड डंपर कार पर पलटा, परिवार के 7 सदस्यों की मौत

सहारनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां सड़क पर एक ओवरलोड डंपर एक चलती कार पर पलट गया, जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में गांव सैयद माजरा अंडरपास के पास दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे के समय कार में सवार सभी 7 लोग एक ही परिवार के थे, जिसमें 2 महिला और एक बच्चा भी शामिल है। सभी सैयद माजरा गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस ने बताया कि गांव से परिवार के 7 लोग कार में सवार होकर निकले थे। वे जैसे ही थोड़ी दूर आगे अंडरपास के पास पहुंचे, यहां बालू से लदा एक ओवरलोड डंपर अनियंत्रित हो गया और कार पर पलट गया। परिवार के सभी सदस्य उसी के नीचे दब गए। जब तक उनको बचाने की कोशिश होती, सभी की मौत हो चुकी थी। इस दौरान करीब 2 घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा रहा।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग गंगोह में रहने वाले एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। मृतकों में 24 वर्षीय संदीप, उनकी बहन जौली देवी (27), बहनोई शेखर कुमार (29), संदीप की मां रानी देवी, मौसेरा भाई विपिन (19), राजू सैनी (27) और एक बच्चा शामिल है। शवों को बाहर निकालने के लिए क्रेन और मशीन का उपयोग किया गया, जिससे डंपर हटाया जा सका।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर को करेंगे भारत दौरा

प्रधानमंत्री मोदी से होगी मुलाकात, विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

नईदिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत दौरे की तारीख सामने आ गई है। वे 4 और 5 दिसंबर को 2 दिवसीय नई दिल्ली दौरे पर आएंगे। इस दौरान पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात होगी। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रूसी राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करेंगी और उनके सम्मान में भोज देंगी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के नेतृत्व को द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। साथ ही विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का विजन तय करने और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका देगा। इस दौरान पिछले दिनों अमेरिकी टैरिफ की वजह से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत की संभावना है। पिछली बार पुतिन 6 दिसंबर, 2021 को भारत आए थे। तब वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत में रुके थे। उसी साल प्रधानमंत्री मोदी 2 बार रूस गए थे। पहली बार जुलाई में 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन और दूसरी बार अक्टूबर में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में गए थे। 2023 में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसके बाद उनकी विदेश यात्राएं कम हो गई हैं। भारत आईसीसी का पक्षकार नहीं है।

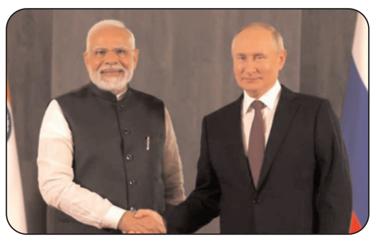

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर रूसी तेल खरीदने के एवज में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद भारत-रूस संबंधों में मजबूती दिखी है।

पिछली छह तिमाहियों में सबसे मजबूत ताजा आंकड़े

भारत की जीडीपी दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की। यह छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जीएसटी दर में कटौती से उपभोग बढ़ने की उम्मीद में कारखानों ने अधिक उत्पाद तैयार किए।

जीडीपी के मजबूत आंकड़ों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यम को दर्शाती है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी विकास-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को दर्शाती है। यह हमारे लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को भी दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार सुधारों को आगे बढ़ाती रहेगी और प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन की सुगमता को मजबूत करेगी। दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों के 7.8 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 5.6 प्रतिशत से बेहतर रही। विनिर्माण, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है, दूसरी तिमाही में 9.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 2.2 प्रतिशत था। वहीं, अप्रैल से अक्तूबर के बीच यानी इस वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों में भारत का राजकोषीय घाटा 8.25 लाख करोड़ रुपये रहा। यह वार्षिक अनुमानों का 52.6 प्रतिशत है। इस बार राजकोषीय घाटा पिछले वर्ष के 46.5 प्रतिशत से अधिक है। सरकार का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4 प्रतिशत तक कम करना है, यह एक साल पहले 4.8 प्रतिशत था। सरकार की ओर से यह भी बताया गया है कि भारत का अक्तूबर 2025 का औद्योगिक उत्पादन आंकड़ा एक दिसंबर को जारी होगा। अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े आमतौर पर हर महीने की 28 तारीख को या यदि 28 तारीख को अवकाश हो तो अगले कार्यदिवस को जारी किए जाते हैं।

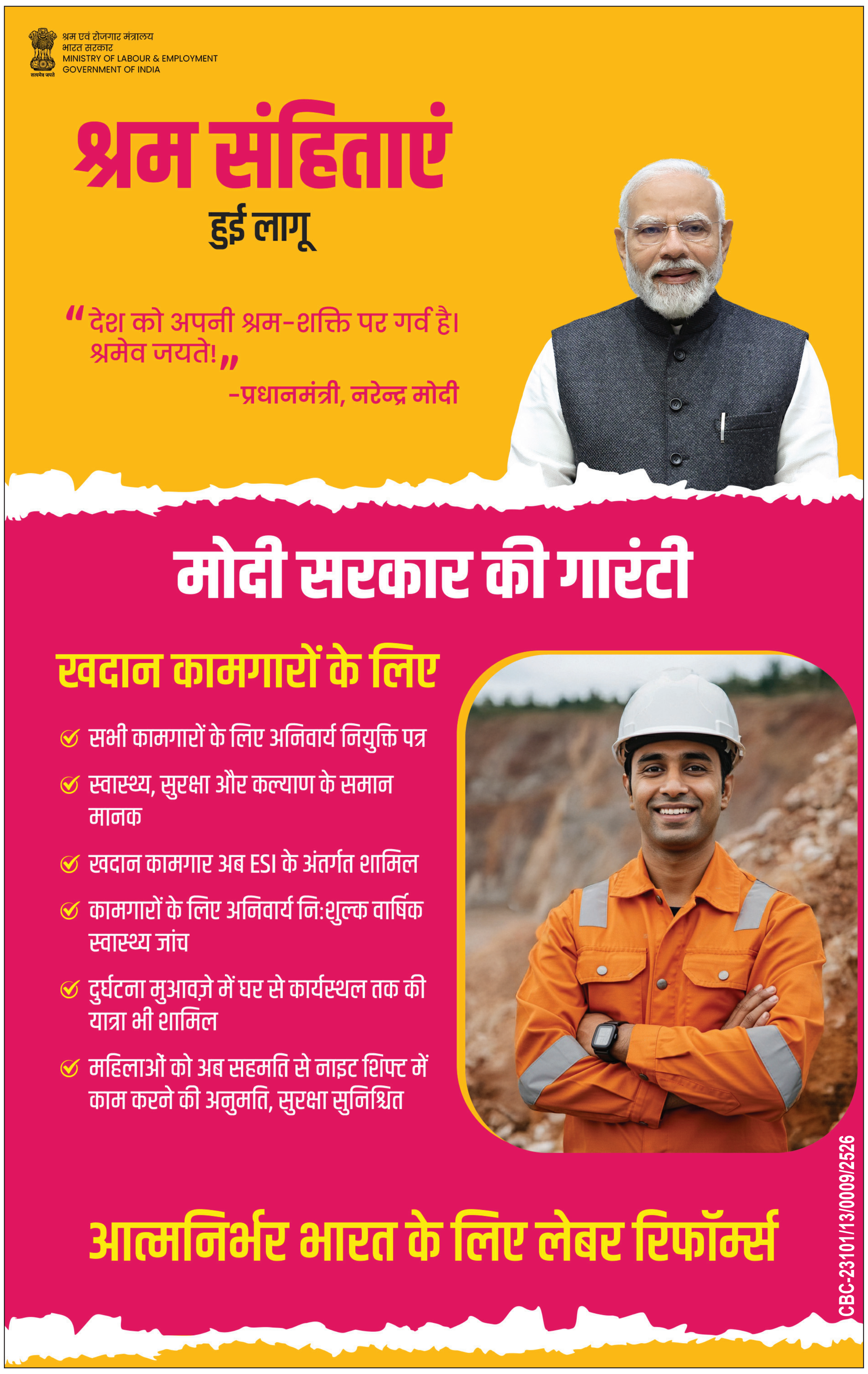

जिला प्रशासन द्वारा धान के अवैध खरीदी बिक्री के रोकथाम हेतु की जा रही है निरंतर कार्रवाई

बालोद जिले में अब तक 89 लाख 90 हजार 420 रूपये की राशि के 04 हजार 585 क्विंटल से अधिक धान जब्त की गई

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा बालोद जिले में धान के अवैध खरीदी बिक्री के रोकथाम हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिससे कि राज्य शासन के मंशानुरूप बालोद जिले में केवल वास्तविक एवं पात्र कृषकों के वास्तविक रकबे के आधार पर ही धान की खरीदी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही कोचियों, व्यापारी एवं अवैध धान विक्रेताओं की धान की खरीदी बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। इसके अंतर्गत आज 28 नवंबर तक कृषि उपज मण्डी सहित राजस्व, खाद्य एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा बालोद जिले में 89 लाख 90 हजार 420 रूपये की राशि के 04 हजार 585 क्विंटल से अधिक धान जब्त की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के निर्देशानुसार आज कृषि उपज मंडी एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों के द्वारा आज डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम चिपरा के फुटकर व्यापारी श्री ऐशुराम जामड़े द्वारा अपने चचेरे भाई के घर में रखे गए 12 लाख 23 हजार 600 रूपये कीमत के कुल 644 क्विंटल तथा पवन कुमार सिन्हा द्वारा अपने परिचित के अन्य व्यक्ति के घर में रखे गए 88 हजार रूपये के कीमत के कुल 40 क्विंटल धान जप्ती की कार्रवाई की गई।

कलेक्टर के निर्देशानुसार बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के अंतर्गत अब तक अवैध धान विक्रेताओं, कोचियों तथा थोक एवं फुटकर धान व्यापारियों पर की गई कार्रवाई के अंतर्गत 10 नवंबर को 147.2 क्विंटल, 15 नवंबर को 15.20, 17 नवंबर को 236 क्विंटल, 18 नवंबर को 286.4 क्विंटल, 19 नवंबर को 374.4 क्विंटल, 20 नवंबर को 95 क्विंटल, 21 नवंबर को 1935.2 क्विंटल, 22 नवंबर को 320.46 क्विंटल, 23 नवंबर को 24 क्विंटल, 25 नवंबर को 443.22 क्विंटल, 26 नवंबर को 08 क्विंटल, 27 नवंबर को 16 क्विंटल तथा आज 28 नवंबर को 684 क्विंटल अवैध धान की जप्ती की कार्रवाई की गई है।

संक्षिप्त-खबर

इस्कान गरियाबंद परिवार द्वारा श्री श्री राधा गिरिधारी मंदिर निर्माण का भव्य भूमिपूजन 19 दिसम्बर को

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद नगर भूतेश्वरधाम की धारा में विश्व प्रसिद्ध इस्कॉन संस्था द्वारा गरियाबंद में श्री श्री राधागिरिधारी मंदिर का निर्माण किया जाना है । दिनांक 19 दिसम्बर 2025 दिन-शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष विधानसभा डॉ.रमनसिंह द्वारा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया जाना है।ये भव्य मंदिर छिन्द तालाब के निकट कृषि फार्म से लगी हुई करीब 80,000 स्क्रेवरफीट में किया जायेगा।जिसके लिए भूमि गरियाबंद के नीरज मिश्रा परिवार ने प्रदान की है।भूमि भूजन से संबंधित प्रथम बैठक दिनांक 27/11/2025 को आयोजित हुई,बैठक की अध्यक्षता श्ररोत्तम दास जी प्रभु द्वारा की गई जो कि इस्कॉन गरियाबंद के प्रबंधक है,आयोजित बैठक में नगर के सभी वर्गो के महत्वपूर्ण जन उपस्थित हुये रिखीराम यादव अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गरियाबंद,हरीश ठक्कर,कल्याण चन्द्राकर,राजकुमार ध्रुव, बलदेवसिंह हुन्दल,घनश्याम सिन्हा,मनोज वर्मा, महेन्द्रसिंह राजपूत,डिलेश्वर देवांगन,पार्षद छगन यादव,रेणुका साहू,पुष्पा साहू,महेश वर्मा,जलाराम ठक्कर,जितेन्द्र यादव,अश्वनी वर्मा आदि सम्मिलित हुए और सुझाव पर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रमनसिंह अध्यक्ष विधानसभा छत्तीसगढ़ एवं क्षेत्र के सांसद व विधायकों की उपस्थिति रहेगी।इस बैठक में सभी नगरवासियों ने सहयोग देने की सहमति दी है, यह मंदिर सभी नगरवासियों ने सहयोग देने की सहमति दी है।यह मंदिर गरियाबंद के लिए एक नया गौरव सिद्ध होगा साथ ही क्षेत्र के पर्यटन विकास एवं व्यवसायिक उन्नति के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा,इस मंदिर की कुल ऊँचाई 81 फीट होने वाली है,जो कि लगभग 11 करोड़ लागत से निर्मित होगा।

देवरबीजा में संविधान दिवस पर राष्ट्रनिर्माण के लिए लिया शपथ

साजा (समय दर्शन)। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा में बुधवार 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संस्था प्राचार्य पुष्पराज सेन द्वारा जानकारी देते हुए कहा कि संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। भारतीय संविधान हमें हमारे कर्तव्यों के निर्वाहन की भी सीख देता है। समानता,न्याय, स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को संरक्षित करते हुए संविधान देश के प्रत्येक नागरिक के मान-सम्मान एवं अधिकारों का संरक्षक हैं। संविधान दिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय परिसर में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संविधान की मूल भावनाओं को समझते-समझाते हुए उसमें निहित अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहने की बातें करते हुए उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शपथ लिया। इस मौके पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की रफ्तार बढ़ी, मेयर अलका बाघमार ने जमीनी स्थिति देखी

दुर्ग। नगर पालिक निगम की मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने शुक्रवार को दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड 60, 19, 20 एवं 21 के विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथों) का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षणङ्क2025 के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं सुधार कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया गया।

किसानों और ग्रामीणों की आवाज बने संजय नेताम, जिला पंचायत सामान्य सभा में गूंजे जनसमस्याओं के सवाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक सभा कक्ष में संपन्न हुई जिसमें जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने किसानों,शिक्षा,स्वास्थ्य, सड़कों एवं पेशा क्षेत्र से जुड़े गंभीर मुद्दों को कड़े शब्दों में उठाते हुए अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया।

किसानों की तौल में अतिरिक्त वसूली पर कड़ा विरोध

अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसान से एक भी रुपये न लिया जाए,प्रशासन ने बैठक में भरोसा दिया अब किसानों से कोई अतिरिक्त वसूली नहीं होगी।

शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तकरण पर सवाल- दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों की भारी कमी नई भर्ती में पहाड़ी/वनांचल क्षेत्र को प्राथमिकता देने की मांग संजय नेताम ने अपनी बात रखी।

किसान विरोधी लापरवाही पर रोक लगाए प्रशासन- ,संजय नेताम ने कहा कि आज हमारा अन्नदाता किसान अपनी रकबा संशोधन, पंजीयन, कैरी फारवर्ड तथा एग्री स्टेक जैसी तकनीकी समस्याओं को लेकर समितियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर लगातार काट रहा है। शासन ने समय-सीमा निर्धारित कर दी है, लेकिन किसानों का काम फिर भी लंबित है, जिससे किसान भारी तनाव में हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न योजनाएँ चला रही है,परंतु ज़मीनी स्तर पर कई स्थानों पर अफ़सरशाही की उदासीनता और विभागीय लापरवाही के कारण किसानों को समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिनका लाभ अभी मिलना चाहिए था, वे अपनी ही राशि और हक़ को पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं, यह बेहद गंभीर स्थिति है।

पेशा क्षेत्र में अधिकारों को ताक पर रखने पर आपत्ति- बिना ग्रामसभा अनुमति के वन विभाग द्वारा हरे पेड़ों की कूप कटिंग का विरोध नेताम ने किया और कहा कि पेशा क्षेत्र में ग्रामसभा सर्वोच्च विभाग मनमानी न करे।

स्वास्थ्य सेवाओं पर चिंता- अस्पतालों में दवाओं की भारी कमी मरीजों को बाहर से दवाई खरीदने की मजबूरी तत्काल दवा उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को बैठक में नेताम ने अपनी बात रखी है।वहीकई गांवों में जर्जर/टूटे स्कूल भवन व आंगनबाड़ी बच्चे पेड़ के नीचे पढ़ने को मजबूर — नए भवन शीघ्र स्वीकृत हों।

गायत्री विद्यापीठ में 'थैंक्स गिविंग-डे' का शानदार आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी गायत्री विद्यापीठ में आज बड़े ही उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में थैंक्स गिविंग-डे कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में कृतज्ञता, सहयोग, संवेदनशीलता और सकारात्मक जीवन मूल्यों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ विद्यार्थियों में सभी के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना था। विद्यालय के सुचारू संचालन में सहयोगी स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए शाला प्रबंधन ने उनके समर्पण, परिश्रम और सेवा भाव की भूरि-भूरि सराहना की। शुभारंभ शाला की प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर एवं श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल के उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि सभी सहयोगी स्टॉफ विद्यालय की रीढ़ हैं, इनके बिना किसी भी संस्था का संचालन संभव नहीं है। ऐसे आयोजनों से आपसी सम्मान, एकता व टीम भावना और सुदृढ़ होती है। सभी को विद्यालय परिवार की ओर से असीम शुभकामनाएँ। इस अवसर पर शाला के विद्यार्थियों द्वारा सभी दीदियों के कार्यों के महत्व को प्रदर्शित करते हुए सुन्दर नाटक, कविता, गीत प्रस्तुत कर सभी के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त किया गया। नन्हें विद्यार्थियों ने अपने नन्हें-नन्हें हाथों से गुलाब का फूल एवं अन्य उपहार देकर बैण्ड की धुन से तिलक वंदन कर सभी नॉन टीचिंग स्टॉफ का स्वागत सम्मान किया गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से यह स्वागत सम्मान पाकर सभी का हृदय गदगद व भाव विहल था। सभी ने मुक्त कंठ से इस नेक कार्य की प्रशंसा की।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकांत चितलांग्या, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर, श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, श्रीमती वंदना डुंभरे, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा, स्कूल आब्जर्वर अंकित व्यास एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती अंजलि सोनवानी द्वारा किया गया।

प्रभारी सचिव श्रीमती आर. संगीता ने एकीकृत पुनर्वास (नशा मुक्ति) केंद्र का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती आर. संगीता ने कलेक्टर बीएस उइके की उपस्थिति में जिले में संचालित एकीकृत पुनर्वास केंद्र (नशा मुक्ति केंद्र) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, संसाधनों एवं उपचार व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र परिसर में उपस्थित लोगों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र के शयन कक्ष,परामर्श कक्ष एवं गतिविधि कक्ष का स्वयं अवलोकन करते हुए व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान केंद्र का संचालन कर रही संस्था शांति मैत्री ग्रामीण विकास संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान श्रीमती संगीता ने केंद्र में उपचाररत एवं भर्ती व्यक्तियों के पुनर्वास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें रोजगार से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार करने के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर को निर्देशित किया। प्रभारी सचिव ने कहा कि उपचार के पश्चात उन्हें रोजगार से जोड़े। प्रभारी सचिव ने केंद्र में उपचरार्थ लोगों से अपील की कि वे नशा एवं अन्य नशीले पदार्थों से पूर्णत: दूर रहें। उन्होने कहा कि आपके साथ आपका परिवार जुड़ा हुआ है। आप अपने परिवार की रीढ़ हैं।आपकी सफलता ही आपके परिवार की सफलता है।नशा,नाश का कारण है नशे से दूर रहकर अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र में उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास से जुड़ी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों।

बेमेतरा में सुगम धान खरीदी बनी बदलाव की ताकत - किसानों को मिल रहा मेहनत का योग्य मूल्य

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रदेश में किसानों की समृद्धि और कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार धान खरीदी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और किसान-मित्र बना रही है। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होने के बाद से बेमेतरा जिले में किसानों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिल रही है।

ग्राम कुम्ही के किसान नरेंद्र सिन्हा, जिन्होंने इस वर्ष 9.20 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा है, ने खरीदी व्यवस्था को पहले से अधिक बेहतर और सुगम बताया। टोकन मिलने से लेकर धान तौलने तक की पूरी प्रक्रिया के बारे में वे बताते हैं कि इस बार केंद्र पर न भीड़ की समस्या रही और न ही किसी प्रकार की अव्यवस्था। निर्धारित समय पर ऑनलाइन टोकन मिल जाने से उन्हें लंबे इंतजार की परेशानी से राहत मिली। कृषक नरेंद्र का कहना है कि कर्मचारियों का सहयोग और केंद्र की साफ-सुथरी व्यवस्था ने धान बेचने को बेहद आसान बना दिया है। समय पर मिले भुगतान उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाया। वे बताते हैं कि पिछले वर्ष धान बेचकर प्राप्त राशि से वे अपने कई जरूरी काम पूरे कर सके, जो लंबे समय से लंबित थे। तुकाराम कहते हैं- समर्थन मूल्य पर धान बेचकर जो राशि मिली, उससे खेती-किसानी के कई महत्वपूर्ण खर्च समय पर निपट गए। कृषक नरेंद्र ने साझा किया कि पिछले वर्ष धान बेचे जाने से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया। इस वर्ष भी उन्हें उम्मीद है, कि खरीदी के बाद राशि समय पर मिलेगी, जिससे वे कृषि सुधार, खाद-बीज की खरीद और घर को और बेहतर बनाने के कार्य कर सकेंगे। केंद्र पर धान बेचने आए अन्य किसानों ने भी खरीदी व्यवस्था में हुए सुधारों की सराहना की। उनका कहना है कि प्रशासन द्वारा की गई तकनीकी और व्यवस्थागत पहल के कारण प्रक्रिया अत्यंत सहज हो गई है। त्वरित मापतौल, ऑनलाइन पारदर्शिता और अधिकारियों के सतत निरीक्षण ने किसानों के मन में भरोसा और अधिक बढ़ाया है।

शिक्षिका का अपहरण कर पति से मांगी 5 लाख की फिरौती

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक महिला शिक्षिका का अपहरण करने का मामला सामने आया है। अपहरणकर्ता का मुंह बांधकर फोटो खींचा और उसके पति के फोन पर फोटो भेजकर 5 लाख की फिरौती मांगी है। पूरा मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार भिलाई सेक्टर-8 में मूक-बधिर बच्चों को पढ़ाने वाली शिक्षिका राधा साहू (43) के पति मुकेश साहू ने पत्नी के अपहरण की शिकायत छावनी थाने में दर्ज कराई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी थाने पहुंचे हैं। वहीं परिजनों से पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि शिक्षिका राधा साहू शुक्रवार सुबह रोज की तरह अपने घर कैंप-1 से भिलाई सेक्टर-8 में मौजूद मूक-बधिर स्कूल के लिए निकली थी। लेकिन आज वह स्कूल नहीं पहुंची। जब राधा स्कूल नहीं पहुंची तो उसके स्कूल से फोन आया। पति से स्कूल प्रबंधन ने पूछा कि राधा साहू आज क्यों नहीं आई। इसके बाद पति अपनी पत्नी की खोजबीन शुरू की। इसी बीच महिला के मोबाइल से पति के पास फोन आया, जिसमें किडनैपर ने कहा कि उसकी पत्नी का अपहरण कर लिया है। किडनैपर ने महिला के मोबाइल से ही फोटो खींचकर पति को भेजा और कहा कि तुम्हारी पत्नी को पेड़ के नीचे बांधकर रखा है। 5 लाख दोगे तभी उसे छोड़ेंगे। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्काल जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस मामले में अभी जांच चल रही है। परिजनों से पूछताछ जारी है। फिलहाल महिला का कोई पता नहीं चल पाया है।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों को दिए सख्त निर्देश

बालोद। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जिले के प्रत्येक धान खरीदी केन्द्रों के लिए नियुक्त किए गए सभी नोडल अधिकारी प्रतिदिन सुबह 08 बजे अपने प्रभार वाले धान खरीदी केन्द्रों में पहुँचकर धान खरीदी के कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के अंतर्गत आज जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने बैठक में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी पात्र कृषकों का उनके वास्तविक रकबे के आधार पर उनकी शत प्रतिशत धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा उन्होंने इस बात का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए कि सभी धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को अपने धान की बिक्री करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

एडीएम और एएसपी ने ली डीजे और मांगलिक भवन संचालकों की बैठक

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में शादी विवाह के सीजन को ध्यान में रखते हुए आज एडीएम श्री अभिषेक अग्रवाल और एएसपी श्री सुखनंदन राठौर ने संयुक्त रूप से डीजे और मांगलिक भवन संचालकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। डीजे संचालकों को अवगत कराया गया कि वे क्षेत्रीय ध्वनि मानक के अधिकतम 10 डीबी (ए) या 75 डीबी (ए) के अंदर ही बजाएंगे।

उन्हें ध्वनि प्रदूषण नियम का शक्ति से पालन करना होगा। किसी भी आयोजन में शासकीय सम्पत्ति और सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग बिना पूर्व अनुमति नहीं दिया जाएगा। रात 10 बजे से सुबह 06 बजे तक डीजे बजाने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वाहनों पर डीजे या वाद्ययंत्रों का प्रयोग वर्जित है। आयोजन स्थल पर जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा या रास्ता बाधित नहीं होना चाहिए। विवाद की स्थिति में अनुमति स्वत: निरस्त मानी जाएगी। इसी प्रकार मांगलिक भवन संचालकों को भी आयोजन के दौरान आगन्तुकों के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था पर जोर देने कहा गया।

कार्यालय अधिक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग,दिनांक 21.11.2025

(ई- प्रोक्येरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 08.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
288/180175	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	183.96	द्वितीय
289/180176	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत एफ.डी.आर.कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	162.38	द्वितीय
290/180177	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गो एवं पुल-पुलियों में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	17.19	द्वितीय
291/180178	उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गो एवं पुल-पुलियों में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	54.78	द्वितीय
292/180180	उपसंभाग क्र. 02 बालोद के अंतर्गत अमोरा से अर्जुनी मार्ग के कि.मी. 0.80 में समय-समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	34.50	द्वितीय
293/180181	पंडरिया उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न 03 मार्गो में समय-समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	25.42	द्वितीय
294/180182	लाल बहादुर नगर(ब्लाक डोंगरगढ़) में नवीन तहसील कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	64.62	तृतीय
295/180183	शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	120.69	तृतीय
296/180185	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 02 बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत एवं लघु मूल गौण कार्य	22.00	तृतीय

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें,विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http:eproc.egstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधिक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी- 252605026/2

स्व. सदाशिव गोविंद राव कात्रे स्मृति सेवा यात्रा का समापन

3आशा निकेतन कुष्ठ कॉलोनी में लगा 22वां व अंतिम नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट की समर्पण चल चिकित्सालय सेवा के तहत संचालित स्व. सदाशिव गोविंद राव कात्रे स्मृति सेवा यात्रा का अंतिम पड़ाव शुक्रवार को आशा निकेतन कुष्ठ कॉलोनी में लगा। राष्ट्रीय सेवा भारती, भारतीय कुष्ठ निवारण संघ और गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित यह यात्रा अब 22 शिविरों के साथ संपन्न हुई।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक शिव कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की नि:स्वार्थ सेवा मनुष्य जीवन का सर्वोत्तम कर्म है। इस दौरान जिला कुष्ठ निवारण इकाई से डॉ. गौतम भट्टाचार्य और छड। संतोष चौहान भी मौजूद रहे। फाउंडेशन के संस्थापक रवि प्रकाश ने सेवा यात्रा की रूपरेखा और संस्था के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने सभी सहयोगी संस्थाओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुष्ठ बस्तियों में लगातार संवाद और नियमित स्वास्थ्य सेवाएं ही इस मिशन का मुख्य उद्देश्य हैं। 16 नवंबर को कोरबा से शुरू हुई सेवा यात्रा ने 10 दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में पहुँचकर 22 नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाए और शुक्रवार को राजनांदगांव में समाप्त हुई। शिविर में रक्तचाप जांच, रैंडम ब्लड शुगर टेस्ट, सीबीसी जांच, अल्सर प्रबंधन : सफाई, ड्रेसिंग, माइनर सर्जरी, अनुभवी डॉक्टरों द्वारा परामर्श, नि:शुल्क दवाइयों का वितरण, महिलाओं को सेनेटरी पैड, कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों को अल्सर केयर किट प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं दी गई। फाउंडेशन की चल चिकित्साल्य सेवा वर्तमान में 10 राज्यों की 245 कुष्ठ कॉलोनियों में रह रहे 1 लाख से अधिक परिवारों को नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

संस्था के अनुसार यह अभियान समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग तक स्वास्थ्यए सम्मान और नई उम्मीद पहुँचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार गौ अभ्यारण निर्माण एवं व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

ग्राम सरेखा-बेंदरची में गौ अभ्यारण निर्माण के लिए बैठक का हुआ आयोजन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर कबीरधाम जिले के ग्राम सरेखा-बेंदरची में गौ अभ्यारण का निर्माण होने जा रहा है। इस गौ अभ्यारण के निर्माण एवं विकास को लेकर गौ अभ्यारण परिसर में आज एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में गौ अभ्यारण की आधारभूत सुविधाओं एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों, ग्राम प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा गौ अभ्यारण में सुगम आवागमन, स्वच्छता, पर्याप्त पेयजल, व्यापक स्तर पर पौधरोपण, समुचित बॉन्ड्रीवाल निर्माण, भू-भाग की सुरक्षा, पशुओं की देख-रेख, नियमित पैरा संकलन, पैरादान एवं रख-रखाव जैसे महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में गौ अभ्यारण को स्वावलंबी एवं दीर्घकालीन संचालन के लिए भविष्य में अपनाई जाने वाली कार्ययोजना पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर स्थानीय ग्राम पंचायतों सरेखा, जैतपूरी, बेंदरची के जनप्रतिनिधि, श्री नितेश अग्रवाल, श्री लोकचंद साहू, श्री नरेन्द्र मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं उपमुख्यमंत्री कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस दौरान ग्रामीणों ने गौ अभ्यारण में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के शीघ्र पूर्ण किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे गौ अभ्यारण के संचालन एवं संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं, साथ ही क्षेत्र में पैरादान, चारा संग्रहण एवं पौधरोपण जैसे कार्यों में आगे बढ़कर सहयोग करें।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार गौ अभ्यारण के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाना है। जिससे आवारा पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिल सके और ग्रामीण क्षेत्रों में पशु संरक्षण को मजबूती मिल सके। गौ अभ्यारण के निर्माण से क्षेत्र में न केवल गौवंश संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार एवं ग्रामीण सहभागिता को भी नई दिशा मिलेगी।

गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है - उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में आज उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उच्च शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री संतोष देवागंन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री वर्मा ने बैठक की शुरुआत में कहा कि राज्य में गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है इसके लिए जो भी सुधार की आवश्यकता होगी विभाग सक्षम है और इसे लेकर विभाग को और अधिक सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा।

बैठक में मंत्री श्री वर्मा ने विश्वविद्यालयों व संभाग के एक-एक महाविद्यालयों में स्टूडियो निर्माण, सभी महाविद्यालयों में ई-क्लासरूम विकसित करने और विद्यार्थियों के लिए डिजिटल संसाधनों को सुदृढ़ बनाने पर भी विचार-विमर्श किया। प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे सभी प्राध्यापकों से व्याख्यान बनाकर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएँ ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

बैठक में महाविद्यालयों में प्राचार्यों एवं प्राध्यापकों तथा समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य करने हेतु बायोमैट्रिक्स मशीन लगाई जाए तथा समय पर उपस्थित न होने वालो पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्राचार्य अकादमिक कैलेंडर का पालन सुनिश्चित करें और समय-सारणी के अनुसार कक्षाओं का संचालन हो। मंत्री श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राचार्य सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक महाविद्यालय में स्वंय अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और कक्षाओं के निरीक्षण की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएँ। उन्होंने एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, एनईपी कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के कार्य को निरंतर जारी रखने तथा अतिथि व्याख्याताओं को एनईपी प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। शैक्षणिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई के संकेत भी दिए।

महासमुन्द जिला एक लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर प्रदेश में अव्वल

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) महाअभियान को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने गति और मजबूती दोनों दी है। परिणामस्वरूप पात्र हितग्राहियों को पक्के घर का सपना अब हकीकत में बदल रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले ने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2016 से 2024-25 की अवधि में कुल 1 लाख 36 आवासों का निर्माण कर इतिहास रच दिया है, जो पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में किसी भी जिले द्वारा प्राप्त सर्वाधिक उपलब्धि है। जिंदगी भर कच्चे मकानों में रहने वाले एक लाख परिवार अब अपने नए, सुरक्षित और सम्मानजनक पक्के घर में सपनों की नई शुरुआत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ देश के उन सभी नागरिकों तक पक्की छत पहुँचाने का संकल्प लिए आगे बढ़ रही है,

जिनके सिर पर अब तक अपना घर नहीं था। जिला प्रशासन महासमुद की सतत् मॉनिटरिंग, टीमवर्क और दृढ़ संकल्प के चलते लगभग एक लाख ग्रामीण परिवारों को नया, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त हुआ है। यह सफलता ग्रामीण क्षेत्रों में आवास संकट को दूर करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर के कुशल नेतृत्व जिला पंचायत सीईओ मार्गदर्शन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम भावना ने इस लक्ष्य को वास्तविक रूप दिया। लगातार फील्ड विज़िट, गुणवत्ता जांच और पारदर्शिता इस सफलता के प्रमुख बिंदु रहे। जिले को प्रधानमंत्री आवास योजना में कुल 1 लाख 29 हजार आवासों का लक्ष्य मिला है, जिनमें से शेष आवासों का निर्माण भी तेज गति से जारी है। प्रशासन ने कहा है कि आगामी महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य जल्दी ही प्राप्त कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही ग्राम बरेकेल कला के श्रीमती अंगुरी बाई ने भावुक होकर बताया कि उनके सपनों का घर बनने से वे बहुत खुश है। वे कहती है कि यह घर मेरे बुढ़ापे का सहारा बन गया है। पहले खपरैल के घर में बारिश के दिनों में पानी टपकने से, तो ग्रीष्म में धूल और गर्मी की समस्या से उन्हें बहुत अधिक परेशानी होती थी। वे इस दौर में हमेशा गांव में जब भी दूसरे के पक्के मकान देखती थी, मन में बस एक ही ख्वाहिश उठती थी कि उनका भी अपना छत का घर होता। आज प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके उन अधूरे सपनों को पूरा कर उनके समस्याओं को दूर किया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर में मिश्रित मत्स्य पालन प्रशिक्षण दिया

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के द्वारा तीन दिवसीय 'मिश्रित मत्स्य पालन' विषय पर प्रशिक्षण आज समापन हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अलग- अलग जिलों से कुल 25 प्रशिक्षणर्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजय कुमार वर्मा, अधिष्ठाता, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, इं.गां.कृ.वि. उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गौतम रॉय ने अपने उदबोधन में कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में चल रही मछली पालन की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एस. सासमल ने अपने उद्बोधन में तीन

दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान 'मिश्रित मत्स्य पालन पद्धति' विषय पर तैयार तकनीकी बुलेटिन का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा ने कहा कि सिर्फ भारत से ही नही बल्कि विदेशों से भी प्रशिक्षणार्थी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर में प्रशिक्षण लेने के लिए आए हैं, यह गर्व की बात है। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के बाद दो सत्रों में मिश्रित मत्स्य पालन पद्धति विषय पर डॉ. एस. आर गौर, प्राध्यापक एवं तोषण कुमार ठाकुर, ने विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन डॉ. एस. सासमल एवं डॉ. अंकित ठाकुर ने मिश्रित मछली पालन के प्रायोगिक पहलुओं पर प्रक्षेत्र प्रशिक्षण दिया। इस कड़ी में तालाबों का चयन, मछली बीज संचयन, खाद प्रबंधन, प्राकृतिक भोजन उत्पादन आदि को प्रायोगिक रूप से प्रदर्शित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में श्री अमित वर्मा, मत्स्य निरीक्षक, मछली पालन विभाग,रायपुर ने मछली पालन में राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार के सब्सिडी स्कीमस् के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही साथ किसान कैसे सब्सिडी का लाभ उठा सकते है उसके बारें में भी जानकारी दी। डॉ. एस. सासमल ने मिश्रित मछली पालन पद्धति के शुद्ध आय-व्यय के बारे में जानकारी दी एवं समन्वित मछली पालन करके आपने आय को कैसे दोगुना किया जा सकता है इससे अवगत करवाया।

सैमसंग ने नेक्स्ट-जेन एआई के साथ जनरल इमेजिंग को नया अंदाज देते हुए R20 अल्ट्रासाउंड सिस्टम लॉन्च किया

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज जनरल इमेजिंग के लिए अपना सुपर-प्रीमियम, नेक्स्ट-जेनरेशन R20 अल्ट्रासाउंड सिस्टम लॉन्च करने की घोषणा की। R20 जनरल इमेजिंग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसमें एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, बेहतरीन इमेज क्लैरिटी, और क्लिनिशियन की सुविधा व दक्षता पर केंद्रित डिजाइन का संयोजन किया गया है। सैमसंग के अत्याधुनिक क्रिस्टल आर्किटेक्चरइ पर आधारित, R20 जनरल इमेजिंग प्रयोगों की विस्तृत श्रृंखला में असाधारण इमेज एकरूपता, रिज़ॉल्यूशन और पहुंच प्रदान करता है। इसका नेक्स्ट-जेनरेशन इमेजिंग इंजन, शक्तिशाली GPU और अल्ट्रा-हाई-डेफिनिशन OLED मॉनिटर क्लिनिशियनों को हर स्कैन में उल्लेखनीय विजुअलाइज़ेशन और डायग्नोस्टिक विश्वास प्रदान करता है। R20 में जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दोहराव वाले कार्यों को स्वचालित करने वाले एआई-संचालित क्लिनिकल और वर्कफ्लो एन्हांसमेंट टूल्स का व्यापक सेट है। प्रमुख तकनीकें शामिल हैं: लाइव लिवरअसिस्ट - लाइव अल्ट्रासाउंड स्कैन के दौरान संदिग्ध फोकल लेसियन का पता लगाना। लाइव ब्रेस्टअसिस्ट - ब्रेस्ट लेसंस का रीयल-टाइम डिटेक्शन BIRADS क्लासिफिकेशन और रिपोर्टिंग के साथ। ऑटो मेजरमेंट टूल्स - एआई-आधारित स्वचालित डिटेक्शन, आंतरिक संरचनाओं का माप और उच्च स्थिरता और अधिकतम उत्पादकता के लिए गाइडेड रिपोर्टिंग डीप USFF - एआई-आधारित डीप अल्ट्रासाउंड फैट फ्रैक्शन क्वांटिफिकेशन, जो गोल्ड स्टैंडर्ड (MRI PDFF) से प्रमाणित उच्च सहसंबंध रखता है।

माँ के भरोसे से लेकर शिशु के स्नेह तक: हिमालया बेबीकेयर ने 'लव्ड बाई बेबीज' ब्रांड के रूप में मनाया अग्रणी स्थिति का जश्न

रायपुर । हिमालया बेबीकेयर ने ' लव्ड बाई बेबीज' ब्रांड के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति का जश्न मनाते एक नए दिल को छूने वाले कैंपेन की शुरुआत की है, जिसमें शिशुओं को कहानी के केंद्र में रखा गया है। प्रिस्क्राइब्ड बाई डाक्टर्स, ट्रस्टेड बाई मॉम्स और लव्ड बाई बेबीज़ (Prescribed by Doctors, Trusted by Moms, and Loved by Babies) शीर्षक वाला यह कैंपेन ब्रांड की उस अनूठी ताकत को उजागर करता है जो इसे शिशुओं द्वारा प्रिय, माताओं द्वारा भरोसेमंद और डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित बनाती है।

विश्वास की इस मजबूत नींव पर निर्मित यह कैंपेन एक मनमोहक और भावनात्मक रूप से जुड़ाव भरी कहानी के माध्यम से, इस श्रेणी में हिमालया बेबीकेयर की अग्रणी स्थिति की पुष्टि करता है। यह शिशुओं की मासूम लेकिन प्रभावशाली आवाजों को इस खूबसूरती के माध्यम से प्रस्तुत करता है कि वे ब्रांड के भरोसे और देखभाल के संदेश के केंद्र में आ जाते हैं। क्रिएटिव विज़ुअलाइज़ेशन के उपयोग से इस फिल्म में शिशुओं को कल्पनाशील तरीके से आवाज़ दी गई है, जो वही भाव व्यक्त करती है जिस पर माता-पिता पहले से विश्वास करते हैं - जिससे यह कथा भावनात्मक रूप से स्पर्श करने वाली और प्रतीकात्मक बन जाती है। फिल्म का कथानक एक रोचक 'ऑल इंडिया टाइनी टॉक समिट' के बाद आयोजित काल्पनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस पर आधारित है, जहाँ रिपोर्टर दुनिया के सबसे ईमानदार विचारधारकों यानि शिशुओं का साक्षात्कार लेने के लिए एकत्रित होते है। जब उनसे उनके पसंदीदा इंफ्लुएंसर के बारे में पूछा जाता है, तो एक शिशु मासूमियत से जवाब देता है, मां, यह हमें याद दिलाता है कि एक मां ही हमेशा बच्चे की पहली और सबसे भरोसेमंद मार्गदर्शक होती है। दूसरा शिशु जब बताता है कि वह किसकी सलाह पर भरोसा करता है, तो वह जवाब देता है डॉक्टर, जो माता-पिता के उस विश्वास को रेखांकित करता है जो वे अपने बाल रोग विशेषज्ञ पर करते हैं। कैंपेन का समापन बड़े ही सलीके से एक सरल लेकिन प्रभावशाली संदेश के साथ होता है- माताओं का भरोसेमंद, डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित और शिशुओं का प्रिय- हिमालया बेबीकेयर। यह संदेश एक मनमोहक, स्नेहपूर्ण और आत्मीय अंदाज़ में प्रस्तुत किया गया है।

कलर्स लेकर आ रहा है सपनों की नई सुबह की कहानी – 'सहर होने को हैं'

नईदिल्ली। जब मिलेगी सपनों को उड़ान और बीतेगा रात का पहर, तब होगी उम्मीदों की सहर। कुछ कहानियों की शुरुआत अंधेरे में होती है— खामोशी में ढली, परंपराओं के बोझ तले दबी, और पीढ़ियों से सौंपे गए ज़ख्मों को विरासत की तरह ढोती हुई। लेकिन हर अंधेरी रात अपनी सुबह का इंतज़ार करती है। सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कहानियां दिखाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स प्रस्तुत कर रहा है 'सहर होने को है', एक ऐसी माँ की मार्मिक गाथा जिसकी शादी बहुत कम उम्र में करा दी गई थी, और जिसने ठान लिया है कि वह अपनी बेटी के साथ वही इतिहास दोहराने नहीं देगी। अपनी बेटी सहर को वह शिक्षा, आज़ादी और कॅरियर के वो पंख देने के लिए डटी है, जो उसे खुद कभी नहीं मिले।

संक्षिप्त समाचार

Nothing ने भारत में Phone (3a) Lite को 19,999 की कीमत में किया लॉन्च

गुरुग्राम: लंदन स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी Nothing ने आज भारत में Phone (3a) Lite लॉन्च किया है, जिसमें क्लासिक ब्लैक और व्हाइट के साथ नया ब्लू कलर वेरिएंट भी शामिल है। यह डिवाइस Nothing के सिग्नेचर ट्रांसपेरेंट डिज़ाइन, 6.77-इंच AMOLED डिस्प्ले, 50 MP मेन कैमरा (TrueLens Engine 4.0), MediaTek Dimensity 7300 Pro चिपसेट और 5000 mAh बैटरी के साथ आता है। फोन की कीमत 20,999 से शुरू होती है, जो बैंक ऑफर के बाद 8GB + 128GB वेरिएंट के लिए 19,999 हो जाती है। Phone (3a) Lite की बिक्री 5 दिसंबर 2025 से Flipkart, Vijay Sales, Croma और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी। Phone (3a) Lite ट्रांसपेरेंट डिज़ाइन को आगे बढ़ाते हुए IP54 रेटिंग, एल्युमिनियम इंटरनल फ्रेम और एक परिष्कृत हल्के वजन वाले बिल्ड के साथ आता है। इसमें 6.77 इंच की फ्लेक्सिबल MOLED डिस्प्ले दी गई है, जो 120 ॥5 एडैप्टिव रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स पीक HDR ब्राइटनेस सपोर्ट करती है। फोन में 50 MP का मुख्य कैमरा दिया गया है, जो TrueLens Engine 4.0 से समर्थित है। इसके साथ ltra XDR, Night Mode, और 4K वीडियो रिकॉर्डिंग (30 FPS) का भी सपोर्ट मिलता है।

मारुति सुजुकी ने रिटेल कार फाइनेंसिंग नेटवर्क का विस्तार करने के लिए छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली: मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुज़ुकी) ने छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है, जिसके माध्यम से ग्राहकों के लिए एक रणनीतिक वाहन वित्त साझेदारी स्थापित की गई है। नई कारों और वाणिज्यिक वाहनों के लिए खुदरा वित्त समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई इस साझेदारी का लक्ष्य अधिक से अधिक ग्राहकों के लिए मारुति सुज़ुकी वाहनों की पहुंच और खरीदने की क्षमता को बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के साथ यह सहयोग मारुति सुज़ुकी के विभिन्न प्रकार के ग्राहकों के लिए व्यापक वित्त समाधान प्रदान करेगा, जिसमें आकर्षक फाइनेंस ऑफर शामिल हैं जो ग्राहकों को अधिक लाभ प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, मार्केटिंग और सेल्स श्री पार्थो बनर्जी और मारुति सुज़ुकी फाइनेंस एंड ड्राइविंग स्कूल के उपाध्यक्ष श्री विशाल शर्मा तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की ओर से अध्यक्ष श्री विनोद कुमार अरोरा और महाप्रबंधक श्री विजय वसंत रायकवाड़ तथा दोनों संस्थानों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, मार्केटिंग और सेल्स श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के साथ हमारी साझेदारी कार स्वामित्व को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

मीशो लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम बुधवार, 3 दिसंबर, 2025 को खुलेगा

मीशो लिमिटेड (कंपनी) अपने 1 रुपया फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों (इक्विटी शेयर) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (प्रस्ताव) बुधवार, 3 दिसंबर, 2025 को खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली तिथि, बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले, यानी मंगलवार, 2 दिसंबर, 2025 है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि शुक्रवार, 5 दिसंबर, 2025 है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 1 रुपया फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर के लिए 105 से 111 रुपये निर्धारित किया गया है। 1 रुपया फेस वैल्यू वाले न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 135 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। इस प्रस्ताव में 42,500 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (फ्रेश इश्यू) और कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 105,513,839 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है, जिनमें विदित आत्रेय और संजीव कुमार (सामूहिक रूप से प्रमोटर विक्रेता शेयरधारक), एलीवेशन कैपिटल वी लिमिटेड, पीक XV पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स V, वेंचर हाईवे सीरीज़ 1, ए सीरीज ऑफवेंचर हाईवे एसपीवीज़ एलएलसी), गोल्डन समिट लिमिटेड, वाई कॉम्बिनेटर कंटिन्यूटी होल्डिंग्स ढ्ढ एलएलसी, सरिन फैमिली इंडिया एलएलसी, क्रिम्सन होल्डिंग्स, एलएलसी, टाइटन पैट्रियट फंड लिमिटेड और जेमिनी इन्वेस्टमेंट्स एल.पी. (सामूहिक रूप से कॉर्पोरेट विक्रेता शेयरधारक), मन हे टैम और राजुल गर्ग (सामूहिक रूप से व्यक्तिगत विक्रेता शेयरधारक, और प्रमोटर विक्रेता शेयरधारकों और कॉर्पोरेट विक्रेता शेयरधारकों के साथ सामूहिक रूप से विक्रेता शेयरधारक) शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक की 17वीं सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव 5 दिसंबर 2025 को

मुंबई। भारत का निजी क्षेत्र का अग्रणी एचडीएफसी बैंक अपने फ्लैगशिप सीएसआर इनिशिएटिव, परिवर्तन के तहत देश भर में ब्लड डोनेशन ड्राइव का 17वां एडिशन ऑर्गनाइज़ करेगा। यह ब्लड डोनेशन ड्राइव 5 दिसंबर, 2025 को सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक एक साथ भारत के 1,100 से ज़्यादा शहरों में होगा। इसमें एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी, ग्राहक, कॉर्पोरेट, डिफेंस फोर्स के मेंबर, स्टूडेंट और कम्युनिटी मेंबर शामिल होंगे। यह इनिशिएटिव कम्युनिटी वेलफेयर के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दिखाता है और देश की सुरक्षित और समय पर ब्लड डोनेशन की लगातार ज़रूरत को सपोर्ट करता है। यह सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव बैंक द्वारा शुरू किए गए पहले सीएसआर इनिशिएटिव में से एक है और हेल्थकेयर और हाइजीन के मेन फोकस एरिया में आता है। एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कैज़ाद भरूचा ने कहा, यह ड्राइव कई सालों से लोगों को एक कॉमन मकसद के लिए एक साथ लाती रही है। ब्लड डोनेट करना एक आसान काम है जो किसी की ज़िंदगी में तुरंत बदलाव ला सकता है। हम हर वॉलंटियर और पार्टनर के शुक्रगुजार हैं जो हर साल इस कोशिश को सपोर्ट करते हैं। एचडीएफसी बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री भावेश ज़वेरी ने कहा, सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव लगातार बढ़ी है, क्योंकि हमारे कर्मचारी और भागीदार इसे ईमानदारी और टीमवर्क के साथ करते हैं। हमें इस बात पर गर्व है कि यह पहल कैसे आगे बढ़ी है और हम देश के हेल्थकेयर इकोसिस्टम में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हर डोनर इस मिलकर की गई कोशिश को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है।

संपादकीय

देश की जोखिम बढ़ता जाएगा

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कॉरपोरेट सेक्टर से कहा है कि मुनाफा प्रेरित अपने कारोबार में वे कुछ राष्ट्रवाद एवं देश-भक्ति भी दिखाएं। जनरल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। यहां ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही दिन बाद दिया गया वायु सेनाध्यक्ष एयर मार्शल एपी सिंह का एक भाषण सहज याद आया, जिसमें उन्होंने रक्षा आपूर्ति में देर से सैनिकों के लिए पैदा होने वाले जोखिम का जिक्र किया था। देर का उल्लेख सीडीएस ने भी किया। इसके साथ उन्होंने दो और मुद्दे उठाए: इनमें एक है उत्पादन के पूर्णत: देसी होने के दावे और हकीकत के बीच फर्क का। दूसरा है कीमत का। जनरल चौहान ने कहा कि कंपनियों को उत्पाद के देसी होने के संबंध में सच बोलना चाहिए। ऐसा हुआ है, जब कोई उत्पाद यह कह कर बेचा गया कि वह 70 प्रतिशत देसी है, मगर हकीकत में ऐसा नहीं था। सीडीएस के मुताबिक यह पहलू अहम है, क्योंकि इसका संबंध सुरक्षा से है। संभवत: उनका इशारा इस ओर था कि विदेशी उपकरणों के हैक होने या उनसे सूचनाएं उनके स्रोत देश में पहुंच जाने की आशंका रहती है। ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल कंपनियां इसलिए करती हैं, क्योंकि वे किफायती पड़ती हैं। कीमत के मुद्दे पर सीडीएस ने कंपनियों को सलाह दी कि वे प्रतिस्पर्धी लागत से उत्पाद तैयार करें, ताकि विदेशों में भी उनको बाजार मिल सके। ये सब बातें तब कही गई हैं, जब भारत में रक्षा उत्पादन के उत्तरोत्तर निजीकरण एवं रक्षा निर्यात बढ़ने की कहानियां चर्चा में हैं। मगर उनसे भारत की सुरक्षा को कितनी मदद मिली है, यह सेना के सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारी सार्वजनिक रूप से बता रहे हैं। वे वह कह रहे हैं, जो उनका अनुभव है। वे वो सलाह दे रहे हैं, जो उनके दायरे में है। नीति निर्माता इससे सबक लें तो यह देश के लिए बेहतर होगा। वरना, ना सिर्फ सैनिकों, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी जोखिम बढ़ता जाएगा।

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की ज़रूरत नहीं

श्रुति व्यास

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की ज़रूरत नहीं है बल्कि कायाकल्प याकि राजनीतिक पुनर्जन्म, या फिर एक शांत, गरिमापूर्ण राजनैतिक मौत की जरूरत है। लोकसभा चुनावों को डेढ़ वर्ष बीते हैं। और इस दौरान कांग्रेस हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली तथा अब बिहार में हारी है। 'हार' कहना भी नरम शब्दों में बात रखना है। ग्यारह वर्षो से यह पार्टी सिर्फ़ हार ही नहीं रही है; वह धीरे-धीरे सड़ और गल भी रही है।

फिर भी, गांधी परिवार ने बुजुर्ग मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे खंडहरों का रखवाला बनाकर हकीकत को नकारा हुआ है। मानों जैसे कांग्रेस के कैलेंडर में अभी भी वर्ष 2004 दर्ज हो। राहुल गांधी और उनके इनर सर्कल (यदि कोई है तो) की मौजूदा तेज, फुर्तीली, स्पर्धात्मक दुनिया में ले दे कर मैराथन दौड़ वाली चाल हैं—धीमे, गंभीर, शायद नैतिक, लेकिन वक्त के साथ पूरी तरह बेमेल। इसलिए क्योंकि समय स्प्रिंट का है जबकि कांग्रेस अपनी ही थकाऊ लय में दबी पड़ी है। बिहार में जो हुआ, वह सिर्फ़ चुनावी गणित या किसी गठबंधन की टिकाऊ शक्ति का कमाल नहीं है। यह उस राजनीतिक समय, संस्कृति का प्रमाण है जिसे भाजपा ने साधा हुआ है और कांग्रेस जिसे अब भी समझ नहीं पा रही। नरेंद्र मोदी भाजपा मतदाताओं से बीते कल को याद करने की अपील नहीं करते; वह उन्हें भविष्य की कल्पना करने को कहते है—चाहे वह विवादित हो, असमान हो, जोखिमभरी हो। इसके उलट कांग्रेस अब भी एक मुक्तिकार की भाषा बोलती है—जैसे भारत उसके इंतज़ार में बैठा हो और वही आकर उसे बचाएगी। लोकसभा 2024 के समय राजनीतिक विमर्श में एक दरार थी। लेकिन दरारें खुद-ब-खुद क्रांतियाँ नहीं बनतीं। उन्हें ढांचा चाहिए, निरंतरता चाहिए, और उसे ऐसे विपक्ष की ज़रूरत होती है जो यह जानता हो कि वह वर्तमान को किस भविष्य से बदलना चाहता है, न कि केवल किसे हटाना है। यहीं पर कांग्रेस कमज़ोर पड़ती है—उसके पास भविष्य की कोई थ्योरी, कोई नारा, कोई झांसा भी नहीं है।

एक दशक से राहुल गांधी खुद को भारतीय गणराज्य, संविधान के संरक्षक, संस्थाओं के प्रहरी की तरह प्रस्तुत करते आ रहे हैं। जबकि अब वह पीढ़ी है, वह भीड़ है जो डेटा लीक, एग्ज़ाम स्कैम, घटते रोज़गार, और कमजोर इंटरनेट में बफरिंग करती लोकतंत्र के बीच पली है—वह संरक्षकों पर भरोसा नहीं करती। उसे न व्यवस्था के चौकीदार चाहिए, न अतीत की नैतिकता दोहराने वाले नेता। यह पीढी भीड के शौर को साधने वाले कोरियोग्राफर चाहती है—जो पहले से घूमती दुनिया को दिशा दे सके।

यह पीढ़ी सिर्फ़ ईमानदार, उजले, सफेद टी-शर्ट में सिद्धांतों की बात करने वाले नेता से प्रभावित नहीं होती। वह एक ऐसा हीरो चाहती है जो मंच पर खून-पसीना बहाता दिखे, जो शक्ति को सिर्फ वादा नहीं, प्रदर्शन, लीला के रूप में पेश करे। उसे जिम में बंद दरवाज़ों के पीछे किए गए पुश-अप्स नहीं, बल्कि राजनीति के केंद्र-मंच पर ऊँची किक मारता, मीम-रेडी, लाइव-टेलीविज़्ड योद्धा, हुंकारा मारने वाला नेता चाहिए। जबकि राजनीति के इस एड्रेनालिन बाज़ार में कांग्रेस अब भी ज़मीर, नैतिकता बेचने निकली है। एक ऐसी पीढ़ी के बीच जो तमाशा खरीदने को प्रशिक्षित हो चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी, अपने तमाम विरोधाभासों के बावजूद, अब भी परिवर्तन के वोल्टेज में बाते और संवाद करते हैं। वही राहुल गांधी संविधान की किताब दिखाते है। बिहार के नतीजों ने यह बात और दुखद रूप से साफ कर दी। नेपाल की युवा बगावत के बाद राहुल गांधी ऐसे बोले जैसे लद्दाख़ किसी मानसूनी तूफ़ान की तरह भारतीय राजनीति में प्रवेश कर चुका हो। अचानक उन्हें लगने लगा कि वोट चोरी इस बेचैन पीढ़ी का नया राष्ट्रगान है। लेकिन सच्चाई अलग ही थी, तभी समझ नहीं आता उन्हें कौन सलाह दे रहा है?

एसआईआर ने घुसपैठियों में भगदड़ मचा दी है

राजेश कुमार पासी

आजकल सोशल मीडिया और मेनस्ट्रीम मीडिया में बंगाल छोड़ने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की खबरें छाई हुई है। बिहार में जब एसआईआर हुआ था तो इस तरह की खबरें नहीं आईं थी जबकि बिहार में भी घुसपैठियों की संख्या कम नहीं है। सवाल यह है कि बंगाल में एसआईआर के कारण घुसपैठियों में ऐसी भगदड़ क्यों मच गई है। बंगाल-बांग्लादेश की सीमा पर बांग्लादेशिओं की भीड़ अपने देश जाने की कोशिश कर रही है। इसमें ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके पास आधार कार्ड और वोटर कार्ड भी है, लेकिन वो अब भारत में रहना नहीं चाहते हैं। वास्तव में वो डरे हुए हैं कि अगर वो पकड़े गए तो उन्हें डिटेंशन सेंटर या जेल भेजा जा सकता है ।

मीडिया रिपोर्ट्स बता रही हैं कि कई लोग कई दशकों से भारत में बिना किसी डर के रह रहे थे लेकिन एसआईआर के कारण वो इतना डर गए हैं कि वापस अपने देश लौट जाना चाहते हैं। जो लोग यह कहते हैं कि जितना घुसपैठियों का शोर मचाया जाता है, उतने लोग भारत में नहीं हैं, भागते हुए घुसपैठियों को देखकर उनकी आंखें खुल जानी चाहिए। कई ऐसी बस्तियां देखने में आ रही हैं जिसमें हजारों लोग रहते हैं लेकिन मतदाताओं की संख्या बहुत कम है । कई बस्तियों को खाली करके लोग गायब हो गए हैं। इससे पता चल रहा है कि क्यों विपक्ष एसआईआर का विरोध कर रहा है। देखा जाए तो एसआईआर कोई नई चीज नहीं है बल्कि ये तो चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है जिसका इस्तेमाल वो 11 बार पहले कर चुका है। अजीब बात है कि देश में जो काम 11 बार हो चुका है, उसका विरोध ऐसे किया जा रहा है, जैसे चुनाव आयोग कोई नया काम शुरू कर रहा है।

पिछली बार एसआईआर वाजपेयी सरकार के कार्यकाल के दौरान 2003 में की गई थी लेकिन तब किसी ने विरोध नहीं किया था। एक तरह से इस काम को आज से दस साल पहले ही हो जाना चाहिए था लेकिन चुनाव आयोग ने इस काम को नहीं किया। इसके कारण लाखों लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। बिहार में लगभग 44 लाख मृतकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और अनुमान है कि बंगाल की मतदाता सूची में भी लगभग 34 लाख मृतकों के नाम दर्ज हैं । सच यह है कि ये लोग चुनावों में वोट भी डालने आते थे। ये समझना बहुत मुश्किल नहीं है कि मरे हुए लोग एक दिन के लिए कैसे जिंदा हो जाते थे। ऐसे लोगों का वोट डालना लोकतंत्र और चुनाव का मजाक है।

ममता बनर्जी एसआईआर का विरोध कर रही हैं और उनके साथ-साथ कांग्रेस भी इसका विरोध कर रही है। कांग्रेस तो पूरे देश में एसआईआर का विरोध कर रही है और अब उसने इसके लिए पूरी मुहिम छेड़ दी है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मतदाता सूची में गड़बड़ी को वोट चोरी और चुनाव चोरी बता दिया है, लेकिन मतदाता सूची में सुधार करने के काम का वो विरोध कर रहे हैं। कितनी अजीब बात है कि राहुल गांधी मतदाता सूची में गड़बड़ी को भाजपा के लिए फायदेमंद मानते हैं, लेकिन उस गड़बड़ी को ठीक करने के काम को वोट चोरी बताते हैं। कांग्रेस के पास इसका कोई जवाब नहीं है कि मरे हुए लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाना गलत कैसे है । बिहार में 65 लाख लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया गया है, जिसमें से 44 लाख लोग इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। पूरा विपक्ष और उसके समर्थक इन लोगों का नाम कटने से परेशान हैं। इसका सीधा सा मतलब यही निकलता है कि इन गड़बड़ियों का फायदा विपक्ष को मिल रहा था, इसलिए वो नहीं चाहता है कि मृतकों और बिहार छोड़ चुके लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए।

देखा जाए तो बिहार के करोड़ों लोग दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं. वो कभी-कभी ही बिहार जाते हैं लेकिन उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं । एसआईआर के दौरान भी सिर्फउन लोगों के नाम कटे हैं जिन्होंने स्थायी रूप से बिहार छोड़ दिया है। इसका सबूत यह है कि बिहार चुनाव में लाखों लोग दूसरे राज्यों से मतदान करने बिहार में आये थे, जो मतदान करके वापस चले गए। यही कारण है कि चुनाव आयोग ने जिन लोगों का नाम गलती से कट गया है, उनसे अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने को कहा था। 65 लाख लोगों का नाम मतदाता सूची से हटने का शोर मचाया जा रहा है लेकिन 65 लोग भी सामने नहीं आये, जो यह कह सके कि उनका नाम मतदाता सूची से गलत हटाया गया है। जो काम बिहार में हो चुका है, अब वही काम दूसरे 12 राज्यों में चल रहा है। इस कार्यवाही को रूकवाने के लिए विपक्ष की कई राज्य सरकार अदालत चली गई हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर लंबी सुनवाई कर चुका है लेकिन फिर इस मामले की सुनवाई शुरू होने वाली है।

ममता बनर्जी ने एसआईआर को एनआरसी बता दिया है और सड़क पर उतरकर इसका विरोध शुरू कर दिया है। वो इस प्रक्रिया को रोकने के लिए हर सम्भव कोशिश कर रही हैं। उनकी ऐसी कोशिशों और एसआईआर को एनआरसी बताने से बंगलादेशियों और रोहिंग्याओं में डर पैदा हो गया है। ममता बनर्जी ने एसआईआर के विरोध में जो अभियान चलाया है, उसका उल्टा असर हो गया है। वो नहीं चाहती कि ये लोग बंगाल छोड़कर जाएं, लेकिन उनके ही बयानों ने घुसपैठियों में भय पैदा कर दिया है । एनआरसी का क्या मतलब है, यह बात घुसपैठिए अच्छी तरह जानते हैं क्योंकि असम में एनआरसी का काम सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रहा है। उन्हें लग रहा है कि अगर वो अपनी नागरिकता साबित नहीं कर पाए तो उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। घुसपैठियों में मची भगदड़ ने भाजपा के हाथ में यह हथियार थमा दिया है कि एसआईआर के कारण घुसपैठियों को देश छोड़ना पड़ रहा है। भाजपा को यह साबित करने का मौका मिल गया है कि विपक्षी दल इन घुसपैठियों को बचाने के लिए ही एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। देखा जाए तो भाजपा का आरोप गलत नहीं है, क्योंकि मतदाता सूची में गड़बड़ी को सुधारने के काम के विरोध की दूसरी वजह क्या हो सकती है।

घुसपैठियों की समस्या सिर्फ बंगाल और बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तो पूरे देश की समस्या बन चुकी है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए पूरे देश में फैले हुए हैं, जो विपक्ष का बड़ा वोट बैंक बन चुके हैं। यह तो हमारे देश की वर्तमान राजनीति का बड़ा सच है कि मुस्लिम समाज एकजुट होकर भाजपा के विरोध में मतदान करता है। ये घुसपैठिये भी मुस्लिम हैं, इसलिए इनका वोट विपक्षी दलों के खाते में जाता है। भाजपा इस सच्चाई को जानती है, इसलिए वो एसआईआर का समर्थन कर रही है। बंगाल से आ रही खबरें बता रही है कि विपक्ष का वोट बैंक खतरे में है । सवाल यह है कि घुसपैठियों की ये भगदड़ क्या बंगाल तक सीमित रहेगी या फिर दूसरे राज्यों में भी फैलेगी । देखा जाए तो ये भगदड़ बंगाल तक सीमित रह ही नहीं सकती, इसलिए केरल और तमिलनाडु में भी एसआईआर का विरोध शुरू हो गया है। यही कारण है कि इस प्रक्रिया को रुकवाने के लिए ये राज्य अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं। ममता बनर्जी ने तो इसे रोकने के लिए चुनाव आयोग को चिट्ठी भी लिखी है। उन्होंने इस प्रक्रिया को तत्काल रोकने को कहा है।

विपक्षी दलों का कहना है कि इस प्रक्रिया के काम में लगे बीएलओ मानसिक तनाव और काम के बोझ के कारण परेशान हैं और कुछ लोगों ने आत्महत्या भी कर ली है। वो इस काम को ज्यादा समय देने की मांग कर रहे हैं। देखा जाए तो एसआईआर का मोदी सरकार से कोई लेना देना नहीं है बल्कि यह तो पूरी तरह से चुनाव आयोग का काम है । विपक्षी दल इस काम को लेकर भाजपा का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इस कार्यवाही की आड़ में भाजपा उनके समर्थकों का नाम मतदाता सूची से हटा सकती है। सवाल यह है कि भाजपा और चुनाव आयोग को कैसे पता चलेगा कि कौन विपक्ष का समर्थक है और कौन भाजपा का समर्थक है । इस आरोप का तब कोई मतलब नहीं रह जाता, जब सुप्रीम कोर्ट कहता है कि जिन लोगों का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाया जाता है, वो उसको शिकायत कर सकते हैं। वास्तव में विपक्ष की सारी कवायद घुसपैठियों को बचाने की है। दूसरी तरफ घुसपैठियों को भी पता चल गया है कि विपक्षी दल अब उन्हें बचा नहीं सकते । इसके कारण घुसपैठियों में भगदड़ मच गई है।

घुसपैठियों में मची भगदड़ पूरा देश देख रहा है, इसके कारण विपक्ष का एजेंडा सबको समझ आ रहा है। देश देख रहा है कि घुसपैठियों को बचाने के लिए विपक्षी दल किस हद तक जाने को तैयार हैं । विपक्षी दलों के आश्वासन के बाद भी घुसपैठियों की भगदड़ रुक नहीं रही है। दूसरी तरफ विपक्षी दलों के लिए घुसपैठिए अब किसी काम के नहीं रहने वाले हैं क्योंकि उनका नाम अब मतदाता सूची से हटने वाला है। जब ये घुसपैठिए वोट डालने के काबिल नहीं रह जाएंगे तो विपक्षी दल इनका क्या करेंगे। एसआईआर अपना काम अच्छी तरह से कर रहा है क्योंकि घुसपैठियों में ऐसी भगदड़ आज से पहले कभी देखी नहीं गयी है।

हाथ में खूंखार हिडमा के पोस्टर, जेब में चिली स्प्रे- ये कैसे पर्यावरण समर्थक है?

रामस्वरूप रावतसरे

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। इसी गंभीर स्थिति का हवाला देते हुए कुछ युवाओं ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। शुरुआत में वे ये दिखा रहे थे कि वे हवा की खराब गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन थोड़ी देर बाद उनका असली रंग सामने आ गया। वामपंथी प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में मारे गए खूंखार नक्सली हिडमा के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी और 'कॉमरेड हिडमा अमर रहे' के नारे लगाए। इन वापपंथी प्रदर्शनकारियों की तैयारी देखकर साफ समझा जा सकता है कि प्रदूषण तो एक बहाना था, इनका मुद्दा कुछ और था क्योंकि प्रदर्शनकारी अपने साथ हिडमा के नाम लिखी तख्तियाँ और पोस्टर ही नहीं बल्कि पेपर स्प्रे भी लेकर आए थे। पुलिस ने जब इनसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की माँग की तो इन्होंने पुलिसकर्मियों पर इसका इस्तेमाल किया।

पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर 2025 को करीब 4.30 बजे ये प्रदर्शनकारी इंडिया गेट के सी-हेक्सागन क्षेत्र में जुटे। वहाँ मौजूद पुलिस ने उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से हटने को कहा लेकिन वे लगातार हिडमा के पक्ष में नारे लगाते रहे और निर्देशों को नजरअंदाज करते रहे। स्थिति तब बिगड़ गई जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाना शुरू किया। इसी दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों ने पुलिस पर पेपर स्प्रे कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई पुलिसकर्मियों की आँखों में तेज जलन हुई और तीन से चार कर्मियों को तुरंत आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार के अनुसार पहली बार हमने पुलिसवालों पर मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल होते देखा। जानकारी के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारी सी-हेक्सागन के अंदर जमा हो गए और फिर उस बैरिकेड को पार करने की कोशिश की जिसे पुलिस ने आने-जाने पर रोक लगाने के लिए लगाया था हालाँकि, वे नहीं माने. उन्होंने बैरिकेड तोड़ दिया, सड़क पर आ गए, और वहीं बैठ गए। पुलिस ने उनसे हटने की रिक्वेस्ट की क्योंकि उनके पीछे कई एम्बुलेंस और मेडिकल कर्मचारी इंतजार कर रहे थे और उन्हें इमरजेंसी एक्सेस की जरूरत थी. पुलिस ने ट्रैफिक में रुकावट से बचने के लिए उन्हें सी-हेक्सागन से हटा दिया। हटाने के दौरान, कई प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हाथापाई हुई और कई पुलिस कर्मचारी घायल हो गए। हंगामे के कारण ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित हुई। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कुल 15 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ पुलिस पर हमला करने और हिंसक गतिविधियों में शामिल होने जैसी गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जानकारों के अनुसार असल में इन्हें दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण से तो कोई लेना-देना ही नहीं था। इनका टार्गेट ही अशांति पैदा करना था। एक वामपंथी ने इस पर बयान देते हुए तो भारत के सबसे खूँखार और मोस्ट वांटेड माओवादी कमांडरों में शुमार माड़वी हिड़मा के तारीफ के पुल ही बाँध दिए। उसने कहा, हिडमा एक जनजातीय है जिसने अपने हक के लिए हथियार उठाए। इसे गलत कह सकते हैं लेकिन वे इसके पीछे के कारण को नकार नहीं सकते। कॉर्परिटाइजेशन के खिलाफ लड़ाई जनजातियों की लड़ाई है. यह पानी, जंगल और जमीन की लड़ाई है। इस वजह से नारायण कान्हा को देशद्रोही नहीं कहा जा सकता। अपने हक की रक्षा करने वाले लोगों पर ऐसा दबाव नहीं डाला जा सकता। यह पहली बार नहीं जब ये वामपंथी गुट किसी भी अन्य मुद्दे को ढाल बनाकर सामने आया हो और बाद में असली रंग दिखाया हो। किसान आंदोलन के समय भी किसानों के साथ उनकी लड़ाई में शामिल होने को ढोंग कर के इन वामपंथियों ने एक शांत से धरने को दूसरा रंग दे दिया था। उस समय किसानों के हितों की माँग का दावा करने वाले प्रदर्शनकारी अचानक उमर खालिद और शरजील इमाम की तख्तियाँ लेकर बैठ गए थे। इतना ही नहीं, उस समय भी पुलिस को टार्गेट करके हिंसा के प्रयास हुए थे।

इसके अलावा, साल 2019-20 का समय याद करें तो दिल्ली समेत जगह-जगह सीएए-एनआरसी के विरोध में सड़क पर आकर बैठे प्रदर्शनकारियों ने अपने प्रोटेस्ट का रंग बदल दिया था। उन्हीं प्रदर्शनों का नतीजा था कि दिल्ली को हिंदू विरोधी दंगे झेलने पड़े। 40-50 लोगों की निर्ममता से मौत हुई। पुलिस को निशाना बनाया गया। उनके ऊपर कहीं गर्म पानी फेंका गया था तो कहीं हथियार लेकर उन्हें दौड़ाया गया था। उन्हें टारगेट करने के लिए दिल्ली दंगों में आरोपित गुलफिशा फातिमा जैसे लोगों ने उमर खालिद के कहने पर लाल मिर्च पाउडर, एसिड, बोतलें, डंडे तक जमा किए थे। दोबारा वैसी ही स्थिति देखने को मिली है जिसका मतलब साफ है कि पर्यावरण जैसा मुद्दा भी इन वामपंथियों के लिए सिर्फ अपना प्रोपेगेंडा फैलाने का एक साधन मात्र है। अंत में इनका असली चेहरा कभी नक्सल समर्थक, कभी आतंक समर्थक के तौर पर उभर कर आता है। इन्हें समस्या देश, देश की सरकार और देश के कानून से होती है और इनकी संवेदना देश विरोधी तत्वों से। जिस हिडमा के लिए इन्होंने दिल्ली में पुलिस पर हमला किया है, क्या उसकी लड़ाई सच में अपनी जमीन जंगल और अधिकार की थी? क्योंकि अगर ऐसा होता तो उसके हाथ मासूमों की हत्या से लाल नहीं होते।

हकीकत यही है कि हिडमा बस्तर में नक्सलियों का सबसे बड़ा कमांडर था और सेंट्रल टीम को सँभाल रहा था। माना जाता है कि कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर जब नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया गया था, तब माड़वी हिडमा भागने में कामयाब रहा था लेकिन इस बार सुरक्षाबलों ने उसे खत्म कर दिया। हिडमा 150 से अधिक जवानों की जान ले चुका था। साल 2004 से अब तक 26 से अधिक हमलों में वह शामिल था। इन हमलों में 2013 का झीरम अटैक और 2021 का बीजापुर अटैक शामिल है। 3 अप्रैल 2021 को सुरक्षाबलों ने माड़वी हिडमा को पकड़ने के लिए अभियान चलाया था। बीजापुर में नक्सलियों ने जवानों पर हमला बोल दिया और इस मुठभेड़ में 22 जवान बलिदान हो गए थे। दंतेवाड़ा हमले में सीआरपीएफ के 76 जवानों की बलिदानी हुई थी, इसका नेतृत्व भी इसी ने किया था। भारत में नक्सलवाद के खिलाफ मोदी सरकार की आक्रामक मुहिम ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफइंडिया (माओवादी) को घुटनों पर ला दिया है। संगठन की महाराष्ट्र -मध्यप्रदेश -छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोनल कमेटी ने 22 नवंबर 2025 को एक प्रेस रिलीज जारी कर छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों विष्णुदेव साय, देवेंद्र फडणवीस और मोहन यादव को पत्र लिखा है। इसमें हथियार छोड़कर सरेंडर करने और सरकारी पुनर्वास योजना अपनाने की इच्छा जाहिर की गई है।

एमएमसी जोन के प्रवक्ता 'अनंत' ने कहा है हम सशस्त्र संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने के लिए तैयार है। संगठन ने सामूहिक निर्णय प्रक्रिया पूरी करने के लिए 15 फरवरी 2026 तक का समय माँगा है जो सरकार की 31 मार्च 2026 की माओवाद समाप्ति डेडलाइन के दायरे में है। पत्र में स्पष्ट किया गया, यह समय दूर-दराज के साथियों तक संदेश पहुँचाने और राय लेने के लिए जरूरी है क्योंकि हमारे पास आधुनिक कम्युनिकेशन माध्यम नहीं हैं। संगठन ने पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी सप्ताह मनाने से इनकार कर दिया है, जो पहली बार हो रहा है।

निरंतर जारी रहने वाली जंग में बन गया आतंकवाद

अजीत द्विवेदी

नक्सलवाद के खिलाफ भारत जंग जीत रहा है। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई में नक्सली कमांडर मारे जा रहे है। दंतेवाड़ा और झीरम घाटी जैसे बड़े हमलों का मास्टरमाइंड और सबसे खतरनाक नक्सली कमांडरों में से एक माडवी हिडमा को भी सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से नक्सलवाद को खत्म करने की डेडलाइन मार्च 2026 तय की गई है और ऐसा लग रहा है कि उस समय तक यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। लेकिन क्या आतंकवाद के खिलाफ जंग के बारे में भी ऐसा कहा जा सकता है? क्या यह सोचा जा सकता है कि आतंकवाद समाप्त हो जाएगा? दिल्ली में लाल किले के सामने हुए कार विस्फोट के बाद एक बार फिर यह सवाल बहुत प्रासंगिक हो गया है।

पिछले एक दशक से केंद्र सरकार की ओर से दावा किया जा रहा था कि जम्मू कश्मीर के बाहर कहीं भी आतंकवादी हमला होना बंद हो गया है। प्रधानमंत्री स्वंय अपने भाषणों में कह रहे थे कि पहले हर जगह यह चेतावनी लिखी होती थी कि लावारिस वस्तु को हाथ न लगाएं वह बम हो सकता है। प्रधानमंत्री का दावा है कि अब ऐसा नहीं लिखा होता है। हालांकि दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले हर व्यक्ति को दो स्टेशन के बीच की यात्रा में भी यह लाइन कई बार सुनने को मिलती है। लगता है प्रधानमंत्री को इस बारे में जानकारी नहीं है।

बहरहाल, वे जो कह रहे थे वह धारणा प्रबंधन का हिस्सा था। वे लोगों को भरोसा दिलाना चाहते थे कि देश आतंकवाद के खिलाफ जंग में भी जीत रहा है। यह भी बार बार कहा जा रहा था कि आतंकवादी हमले जम्मू कश्मीर तक सिमट गए हैं और वहां भी हालात सुधर रहे हैं। हालांकि यह सिर्फ आंकड़ों की बात है। जम्मू कश्मीर में कई बड़े आतंकी हमले हुए हैं और कई हमलों का तो अभी तक सुराग भी नहीं मिल पाया है। इस साल अप्रैल में पहलगाम की बायसरन घाटी में हुआ हमला सबसे बड़ी मिसाल है। उस हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की और पाकिस्तान की सीमा में कई आतंकी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन पहलगाम कांड को अंजाम देने वाले अभी तक सुरक्षा बलों की पकड़ से बाहर हैं। उनको अपने किए की सजा नहीं मिल पाई है।

अभी पहलगाम कांड के घाव भरे नहीं थे कि राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार विस्फोट हुआ, जिसमें 13 लोग मारे गए और करीब 20 लोग घायल हुए। इस बम विस्फोट से पहले सुरक्षा बलों ने व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की पहचान की थी और गिरफ्तारियां शुरू की थीं। इस घटना के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस, दिल्ली पुलिस, हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की और अनेक लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में ज्यादातर डॉक्टर हैं और एक मेडिकल कॉलेज से जुड़े कर्मचारी हैं। अब इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए कर रही है। जिस व्हाइट कॉलर टेरर इकोसिस्टम ने इस घटना को अंजाम दिया है उसकी जांच के क्रम में दिल्ली से सटे फरीदाबाद में तीन टन विस्फोटक बनाने की सामग्री और कई अत्याधुनिक हथियार बरामद हुआ। अब जांच एजेंसियों के सामने सबसे बड़ा टास्क तो यह पता लगाना है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कैसे इकट्ठा किया गया, इसका नेटवर्क कितना बड़ा है, इसके पीछे असली ताकत कौन सी है और उसका असली मकसद क्या था? इसका पता लगाए बगैर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाएगी। चाहे छह साल पहले हुआ पुलवामा कांड हो या इस साल का पहलगाम कांड हो या दिल्ली का विस्फोट हो, सबसे बड़ा सवाल खुफिया एजेंसियों की विफलता का है।

आज के जमाने में बड़ी तादाद में लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं। कई लोग तो पूरी तरह गंजे हो जाते हैं और उनके सिर पर हेयर ट्रांसप्लांट करना भी पॉसिबल नहीं होता। कम उम्र में गंजेपन की समस्या किसी टेंशन से कम नहीं होती और लोगों को यह बात बार-बार परेशान करती रहती है। अगर आपसे कहा जाए कि गंजापन आपकी गलत आदतों की वजह से आ रहा है तो क्या आप यकीन कर पाएंगे? जी हां, आपने सही सुना। बड़ी तादाद में लोग अपनी गलतियों की वजह से गंजे हो रहे हैं। एक हालिया स्टडी में गंजेपन को लेकर चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। इन्हें जानकर आपके पैरों तले जमीन खिसक सकती है।

चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से हो सकती है गंजेपन की समस्या

नई रिसर्च में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

चीन में की गई एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि हर दिन एक गिलास सोडा, कोल्ड ड्रिंक, स्पोर्ट्स ड्रिंक और अन्य मीठे ड्रिंक्स का सेवन करने से पुरुषों में गंजेपन का खतरा अन्य लोगों की तुलना में 57% तक बढ़ जाता है। हैरानी वाली बात यह है कि सिर्फ कोल्ड ड्रिंक्स ही नहीं, बल्कि मीठी चाय और कॉफी पीने से भी आप गंजे हो सकते हैं। आमतौर पर करीब 50% पुरुष 50 साल की उम्र के बाद गंजे होना शुरू होते हैं, जबकि 25% लोग 21 साल की उम्र से पहले ही गंजे होना शुरू हो जाते हैं। ऐसे लोगों के बेहद कम उम्र में ही बाल झड़ना शुरू हो जाते हैं।

शुगरी ड्रिंक से बनाएं दूरी, बचे रहेंगे बाल

यह रिसर्च चीन की राजधानी बीजिंग स्थित शिंघुआ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने की है। इस रिसर्च में एक हजार से ज्यादा पुरुषों को शामिल किया गया था और उनके खान-पान का डाटा इकट्ठा करने के बाद डाटा का एनालिसिस किया गया। इसके बाद शोधकर्ताओं ने यह चौंकाने वाली बातें बताई हैं। शोध करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि कम उम्र में होने वाले गंजेपन से बचने के लिए लोगों को मीठी ड्रिंक्स के सेवन से बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस गंजेपन को दवाओं की मदद से रोका जा सकता है। सही समय पर इलाज करवाने से आप जिंदगी भर के लिए गंजे होने से बच सकते हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (CDC) के मुताबिक 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के करीब 63 फ़ीसदी लोग रोज कम से कम एक शुगर ड्रिंक पीते हैं। इससे न सिर्फ गंजेपन, बल्कि डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर समेत कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। सभी को अपनी डाइट में शुगर की मात्रा को कंट्रोल करना चाहिए, ताकि बीमारियों से बचा जा सके।

पेट फूलने की समस्या यानी ब्लोटिंग, अपच, गैस, बदहजमी से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। उल्टा-सीधा, तली-भुनी चीजों के अधिक सेवन से कुछ लोगों का पेट बहुत अधिक फूल जाता है। कई बार इस वजह से पेट दर्द भी होने लगता है। यदि आपको ब्लोटिंग की समस्या अक्सर परेशान करती है तो हो सकता है आपका पाचन तंत्र सही से अपना कार्य ना कर रहा हो। ब्लोटिंग की समस्या तब हो सकती है, जब आपका भोजन सही तरीके से पचता नहीं है। कई दिनों तक पेट साफ नहीं होता, जिस वजह से पेट फूला हुआ नजर आता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप हेल्दी डाइट लेने के साथ ही कुछ योग का अभ्यास भी नियमित रूप से कर सकते हैं। आइए जानते हैं ब्लोटिंग की समस्या और कब्ज को दूर करने के लिए कौन-कौन से योग फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ब्लोटिंग, गैस, कब्ज दूर करते हैं ये योगासन

ब्लोटिंग की समस्या में करें हलासान

पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है हलासान। इसके नियमित अभ्यास से पाचन संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। यह वजन घटाता है। मेटाबॉलिज्म को भी दुरुस्त करता है। स्ट्रेस भी कम करता है। मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। हाथों को फर्श बिल्कुल सीधा रखें। अपने दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ बिल्कुल सीध में उठाएं। अब पैरों को सिर की तरफ ले जाएं। जमीन पर पैरों के अंगूठे को टच कराने की कोशिश करें। जितनी देर हो सके इस पोजीशन में बने रहें। अब धीरे-धीरे पैरों को वापस नॉर्मल पोजीशन में ले आएं।

ब्लोटिंग में करें उत्तानासन

उत्तानासन एक स्ट्रेचिंग योगासन है। इस योगासन को करने से इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। पेट की समस्याएं दूर होती हैं। इसे करने के दौरान पेट पर दबाव पड़ता है, सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है, जिससे गैस से राहत मिलती है। पाचन को भी सही करता है। सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को सीधा रखें। अब सांस अंदर खींचते हुए कमर से आगे की तरफ झुकें। दोनों हाथों से टखने पकड़ें। छाती को पैरों से सटाने की कोशिश करें। सिर को नीचे की तरफ झुकाएं रखें। इस पोजीशन में कुछ सेकेंड रहें और फिर धीरे-धीरे पहले की अवस्था में लौट आएं।

एजिंग के लक्षण करे कम मोरिंगा सीड्स जानिए इसके अन्य फायदे

अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में मोरिंगा के अलग-अलग नाम हैं, लेकिन इसे भारत में आमतौर पर 'सहजन के पेड़' के रूप में जाना जाता है। सहजन के पौधे की फली से मोरिंगा सीड्स पैदा होते हैं, जो स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होते हैं। इन सीड्स में विटामिन बी6, बीटा कैरोटीन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होता है। ये त्वचा की समस्याओं को दूर कर सकता है और पाचन व विजन में भी सुधार कर सकता है। मोरिंगा सीड्स स्किन और बालों की हेल्थ के लिए बेहतरीन माना जाता है। इसके कई अन्य हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या है मोरिंगा सीड्स?

स्टाइलक्रेज के अनुसार, मोरिंगा के पौधे में खाने योग्य 4 भाग होते हैं जैसे इसकी फली, पत्ते, बीज और जड़ें. मोरिंगा सीड्स के अविश्वसनीय स्वास्थ्य लाभ मोरिंगा पौधे की फली से प्राप्त होते हैं. मोरिंगा सीड्स स्किन, बालों, पाचन, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, इंफेक्शन और मोटापे का इलाज और उपचार करने के लिए जाना जाता है.

स्किन के लिए मोरिंगा सीड्स के फायदे

☛ एजिंग के लक्षण कम करे- मोरिंगा सीड्स में तेल होता है जिसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में उपयोग किया जाता है। इसमें एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो झुर्रियों और दाग धब्बों को कम करने में मदद करते हैं। मोरिंगा सीड्स स्किन को जवां रखने में मदद करता है।

☛ मॉइस्चराइजर का काम करता है- मोरिंगा सीड्स के तेल में ओमेगा-9 फैटी एसिड की अधिक मात्रा होती है, जो स्किन को नेचुरल रूप से मॉइस्चराइज करता है। ये स्किन में मौजूद नमी को लॉक कर देता है। मोरिंगा तेल का उपयोग कई कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। इसका प्रयोग एंटी-एजिंग क्रीम, साबुन, बॉडी वॉश, हेयरवॉश, अरोमाथेरेपी और डिओडोरेंट में किया जाता है।

बालों के लिए मोरिंगा सीड्स के फायदे

☛ हम सभी सुंदर बाल चाहते हैं, लेकिन बाजार में सभी बेहतरीन हेयर केयर ब्रांड केमिकल्स से भरे होते हैं और इनकी कीमत भी बहुत अधिक होती है। स्वस्थ और चमकदार बाल पाने का सबसे अच्छा प्राकृतिक विकल्प मोरिंगा हो सकता है।

☛ मोरिंगा सीड्स पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों के लिए लाभदायक हो सकता है। मोरिंगा में मौजूद आयरन बालों को झड़ने से रोकने और बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

☛ मोरिंगा आवश्यक अमीनो एसिड से भरा होता है जो कोशिकाओं के निर्माण और मरम्मत करने में मदद करता है। ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है।

☛ मोरिंगा सीड्स बालों और स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसका प्रयोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है।

हम सभी चाहते हैं कि हमारा बच्चा हर अच्छी आदतों को सीखे। इसके लिए माता पिता अपना बेस्ट करना चाहते हैं। ऐसे में जब बच्चे इंटरनेट पर सर्फिंग करना शुरू करते हैं और अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करते है, तो माता पिता के लिए हर वक्त उन पर नजर रखना मुश्किल हो जाता है और वे मिल रही जानकारी को वेरीफाई नहीं कर पाते। बच्चों को इंटरनेट पर व्यस्त रहना भी उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। ऐसे में अगर आप बच्चों के रूम की दीवार पर वर्ल्ड मैप लगाएं तो इससे ना केवल उन्हें सही जानकारी मिलेगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से टाइम पास भी कर सकेंगे। यहां हम आपको बताते हैं कि आप बेहतर परवरिश के लिए बच्चों की दोस्ती वर्ल्ड मैप या एटलस से क्यों कराएं।

बच्चों के कमरे में जरूर लगाएं वर्ल्ड मैप

खेल-खेल में मिलेगी जानकारी

विश्लेषणात्मक क्षमताओं का होता है विकास

मानचित्र पढ़ना बच्चों के विश्लेषणात्मक तर्क को विकसित करने का एक बेहतरीन तरीका होता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, उनकी ये विश्लेषणात्मक तर्क की क्षमता भी विकसित होती जाती है। यही नहीं, भौगोलिक मानचित्र बच्चों के अंदर एक दुनिया बनाती जाती है जो उन्हें वस्तुओं, स्थानों, जगहों, देश आदि से जुड़ा हुआ महसूस कराती है।

अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानकारी

बच्चों को अपने आसपास की सारी जानकारी न्यूज पेपर, बुक्स आदि के माध्यम से भी होनी चाहिए। बच्चों को यह जरूर पता होना चाहिए कि वे किस जगह रहते हैं और उनकी जगह दुनिया में कहां है। इस तरह ये सारी जानकारी बच्चे की यादों में इकट्ठा होता जाता है और उम्र बढ़ने के साथ वे खुद को उस दुनिया से कनेक्ट कर पाते हैं।

इंस्पायर करने वाला डेकोरेशन आइटम

बच्चों के लिए यह जरूरी है कि उनके आसपास ऐसी चीजें हों जिन्हें देखकर वे कुछ सीख सकें और कुछ जान सकें। इसके लिए घर की सजावट में जब आप वर्ल्ड मैप रखते हैं तो इससे उनके कमरे में जानकारी का भंडार एक मैप की मदद से उन्हें मिल जाता है। उन्हें किसी जानकारी को हासिल करने के लिए इंटरनेट पर जाने की जरूरत नहीं होती और वे सारी चीजों को एक तर्क संगत तरीके से कनेक्ट करते जाने में सक्षम हो पाते हैं।

ब्लोटिंग की समस्या में योग फायदेमंद

योगाजाला डॉट कॉमके अनुसार, योग करने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, जिससे ब्लोटिंग, कब्ज, अपच आदि पेट संबंधित समस्याएं नहीं होती हैं। यदि आप हल्के व्यायाम जैसे वॉकिंग, जॉगिंग या फिर योग करते हैं तो इससे भोजन पेट में तेजी से पचता है और सही तरीके से आंतों में आगे बढ़ता है। इससे आंतों में गैस नहीं बनती और ब्लोटिंग या सूजन के लक्षणों में कमी आएगी। कई बार स्ट्रेस, एंजाइटी के कारण भी ब्लोटिंग की समस्या होती है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम धीमा हो जाता है। ऐसे में शरीर को जितना हो सके रिलैक्स मोड में रखें। योग करेंगे तो स्ट्रेस, एंजाइटी, डिप्रेशन की समस्या भी दूर होगी।

धनुरासन करने से ब्लोटिंग में होगा लाभ

यदि आप नियमित रूप से धनुरासन का अभ्यास करते हैं तो पेट संबंधित कई समस्याएं दूर होती हैं। यह गैस, पेट फूलने की समस्या को कम करता है। इसे करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। इस योग को करते समय शरीर बिल्कुल धनुष की तरह नजर आता है। इसमें दोनों हाथों को पीछे की तरफ ले जाकर पैरों को पकड़ना होता है। सांस भरते हुए सीने को फर्श से उठाएं और पैरों को कमर की तरफ खीचने की कोशिश करें। इस पोजीशन में रहते हुए शरीर के संतुलन को बनाए रखें। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य पोजीशन में आ जाएं।

अपानासन से दूर करें ब्लोटिंग की समस्या

यदि आपका पेट फूला रहता है, कब्ज, अपच की समस्या है तो आप अपानासन का अभ्यास करें। इसके लिए योग मैट को बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैरों को घुटने से मोड़ते हुए छाती के पास सटा लें। इस पोजीशन रहते हुए सांस अंदर लें और फिर बाहर छोड़ें। इस योग को करने के दौरान कंधे को फर्श से सटाकर ही रखें। कुछ सेकेंड इस पोजीशन में रहने के बाद पहले की अवस्था में लौट आएं। इसे करने से खराब पेट, अपच, कब्ज, ब्लोटिंग आदि समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगी। कमर दर्द, घुटनों में चोट लगी हो तो अपानासन ना करें। भोजन करने के तुरंत बाद ही ये योग ना करें।

ब्लोटिंग में पश्चिमोत्तानासन करने के फायदे

फर्श पर सामने की तरफ दोनों पैरों को बिल्कुल सीध में फैलाकर बैठ जाएं। पैरों के बीच गैप ना रखें। पीठ, गर्दन, सिर सब सीधा रखें। ऊपर वाला शरीर का हिस्सा आगे की तरफ झुकाएं। हाथों की उगलियों से दोनों पैरों की उगलियों को छूने का प्रयास करें। घुटने जमीन से उठाएं नहीं। गहरी सांस लेते हुए धीरे-धीरे सांस छोड़ें। इस दौरान आपका सिर घुटनों को छुए, इस बात का ध्यान रखें। इस पोजीशन में रुककर आप 5 से 10 बार गहरी सांस लें और छोड़ें। पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इस प्रक्रिया को तीन से चार बार दुहराएं।

कुछ हट के बनाएं प्याज के पकोड़े

बनाने के लिए सामग्री

बेसन – 2 कप
चावल का आटा – 1/4 कप
प्याज – 4-5
हरी मिर्च – 4-5
जीरा पाउडर – 1/2 टी स्पन
लाल मिर्च पाउडर – 1 टी स्पून
हल्दी – 1/4 टी स्पून
अदरक पेस्ट – 1 टी स्पून
धनिया पत्ती – 2-3 टेबलस्पून
अजवाइन – 1/4 टी स्पून
कढ़ी पत्ते – 8-10
तेल – तलने के लिए
नमक – स्वादानुसार

प्याज के पकोड़े बनाने की विधि

प्याज के पकोड़े बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को लें और उन्हें छीलकर पतले लंबे स्लाइस काटें। इसके बाद इन्हें एक समान मोटाई देते हुए काटें, जिससे तलने के दौरान सुविधाजनक रहे। अब हरी मिर्च, हरा धनिया भी बारीक काटें। अब एक बड़ी मिक्सिंग बाउल लें और उसमें बेसन और चावल का आटा डालकर दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर दें। इसके बाद इस मिश्रण में हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा पाउडर, अदरक पेस्ट, हरी समेत अन्य सामग्रियां डालकर मिक्स करें। अब इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें। जब घोल तैयार हो जाए तो प्याज और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो प्याज का घोल लें और उससे पकोड़े बनाकर तेल में डालें। अब पकोड़ों को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें।

जब पकोड़े डीप फ्राई करें तो उन्हें बीच-बीच में पलटते रहें जिससे वे दोनों ओर से गोल्डन होने के साथ क्रिस्पी भी हो जाएं। इसके बाद पकोड़े प्लेट में उतार लें। इसी तरह सारे घोल से प्याज के पकोड़े तैयार कर लें। स्वादिष्ट अनियन पकोड़ा बनकर तैयार हो चुका है। इन्हें हरी चटनी और टमाटर सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

उत्तरी भारत में लुढ़कते तापमान के चलते ठंड अपने चरम पर है। ठंड से बचाव के लिए लोग गरम कपड़े की कई कई लेयर पहनकर घर से निकल रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए कुछ लोग रात के समय भी गर्म कपड़े पहन कर सोते हैं। रात के समय गर्म कपड़े पहन कर सोना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। रात के समय गर्म कपड़े पहनने से न केवल ब्लड सर्कुलेशन स्लो होता है वही स्किन से संबंधित बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। आज आपको बताएंगे कि किन वजहों से आपको रात के वक्त स्वेटर पहनकर नहीं सोना चाहिए।

रात में स्वेटर पहनकर सोने की न करें भूल

हो सकती हैं स्किन प्रॉब्लम

रात के समय गर्म कपड़े पहनने से कई तरह की स्किन प्रॉब्लम हो सकती है। रात को गर्म कपड़े पहन कर सोने से शरीर में नमी की कमी हो जाती है ऐसे में आपको एग्जिमा तथा इचिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा मोजे पहन कर सोने की वजह से बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकता है।

बढ़ जाता है ब्लड प्रेशर

रात को स्वेटर या अन्य गर्म कपड़े पहन कर सोने से ब्लड प्रेशर भी बढ़ जाता है। स्वेटर या गर्म कपड़े रात के कारण रात में स्वेटिंग हो सकती है जिसका सीधा असर ब्लड प्रेशर पर पड़ता है ऐसे में रात को नार्मल कपड़े पहन कर सोने की सलाह दी जाती है।

हवा का सर्कुलेशन हो जाता है डाउन

आमतौर पर हम ठंड से बचाव के लिए स्वेटर या गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी ठंड ज्यादा होने की वजह से हम रात को भी स्वेटर पहन कर सोना उचित समझने लगते हैं लेकिन स्वेटर या गर्म कपड़े पहन कर सोने से शरीर में हवा का प्रेशर डाउन हो जाता है जिसकी वजह से शरीर का टेंपरेचर बढ़ जाता है। यदि हम काफी लंबे समय तक स्वेटर या गर्म कपड़े पहन कर सोते हैं तो ह्रदय से संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

अन्य गर्म कपड़ों से भी होता है नुकसान

यदि हम ठंड से बचाव के लिए रात को भी स्वेटर पहन कर सो रहे हैं तो ऐसे में गर्म कपड़ों के रेशे भी कमजोर हो जाते हैं। रेशे कमजोर होने की वजह से कपड़ों की ड्युरेबिलिटी कम हो जाती है। रात को ठंड से बचाव हेतु कंबल या रजाई का इस्तेमाल बेहतर है।

बच्चों को अनुशासन सिखाना जरूरी

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

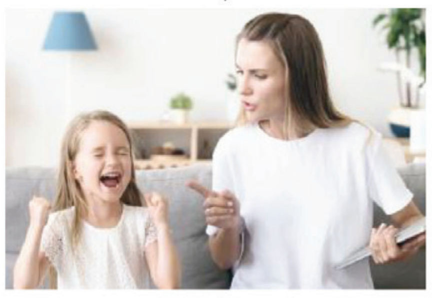

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा,बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएं। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

बिछिया में आयोजित स्काउट गाइड शिविर में विविध कार्यक्रम का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ छत्तीसगढ़ विकास खंड बसना द्वारा आयोजित तृतीय सोपान व निपुण जाँच शिविर में द्वितीय दिवस प्रात: स्काउट मास्टर हीराधर साव द्वारा सभी स्काउट गाइड छात्र -छात्राओं को तीन किलोमीटर दौड़ कराकर वार्म अप करवाया गया। शिविर संचालक गिरीश कुमार पाढ़ी द्वारा बीपी सिक्स कराकर लाभ को बताया गया।गाइड कैप्टन अन्नपूर्णा बुड़ेक द्वारा सभी शिविरार्थियों को जुम्बा नृत्य करवाया गया।कक्षा समय में स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के सचिव विवेकानंद दास द्वारा स्काउट आंदोलन,साइन,सैल्यूट,हाथ मिलाना,हीराधर साव द्वारा विभिन्न ध्वजों राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज,दल ध्वज,टोली ध्वज,विश्व स्काउट व गाइड ध्वज,सुकमोती चौहान द्वारा गाइड विंग के गणवेश व भलाई के कार्य,नीलम कुमार द्वारा स्काउट गाइड के संस्थापक बैडैन पावेल की जीवनी,सविता सुमन द्वारा हाथ के इशारे और सीटी के संदेश, स्काउट मास्टर प्रेमचन्द साव द्वारा टोली विधि, गिरीश गजेन्द्र के द्वारा खोज चिन्ह, शिविर संचालक गिरीश कुमार पाढ़ी द्वारा गाँठें एवं व्हीपिंग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। जिला पर्यवेक्षक के रूप में दिलीप निषाद व झनेश कुमार साहू,जिला प्रशिक्षण आयुक्त संतोष कुमार साहू, रामकुमार नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे।जिला पर्यवेक्षक दिलीप निषाद द्वारा मनोरंजक गतिविधि करवाया गया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त संतोष कुमार साहू द्वारा स्काउटिंग एवं इसके उद्देश्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि इससे नवयुवकों को अच्छा नागरिक बनाकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक,बौद्धिक, शैक्षिक, तार्किक,आध्यात्मिक विकास के साथ अंत:करण का विकास करना होता है,जिससे वे समाज के प्रति उत्तरदायित्व, देशप्रेम की भावना,सेवा कार्य करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकें।उपस्थित स्काउट गाइड को जिला पर्यवेक्षक रामकुमार नायक ने समय सारिणी बनाकर अनुशासित रहकर अपने जीवन में कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।विकास खंड पिथौरा के सचिव एवं जिला पर्यवेक्षक झनेश कुमार साहू ने बताया कि इससे उत्तम नागरिक बनकर समाज हित में कार्य कर सकते हैं।एचडब्ल्यूबी स्काउट मास्टर डिजेन्द्र कुर्रे द्वारा स्काउट वर्दी एवं प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बताया। जिसमें प्रशिक्षणार्थी को बताया कि अस्पताल जाने के पूर्व कैसे धैर्यता के साथ रोगी को उपचार करें। उसके पश्चात् चिकित्सक को दिखाए। प्राथमिक सहायक के गुण एवं नियम को बिंदुवार जानकारी दिया। समाजसेवी राजेंदर अग्रवाल द्वारा बच्चों को फल वितरित किया गया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण छात्रावासी छात्रों द्वारा किया गया

रायपुर(समय दर्शन)। राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर 2025 को शासकीय आदर्श अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रावास परिसर पेंशन बाड़ा रायपुर में भारतीय संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक एवं मानवाधिकारों के विश्व-प्रसिद्ध विद्वान भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण गरिमामय समारोह में

मुख्य अतिथि करमन खटकर, शिक्षाविद सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी, विशिष्ट अतिथि तुलेन्द्र सागर प्राचार्य स्कूल शिक्षा विभाग राजयपाल शिक्षक सम्मान से सम्मानित महासमुंद, टिकवेन्द्र कुमार जाटवर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद प्रोफेसर डॉ बी. एल. सोनेकर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर कुंदन कुमार बंजारे उपसंचालक खनिज विभाग तथा डॉ विनोद कुमार टण्डन सी आर पी एफ अधिकारी के अध्यक्षता में सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण करते हुए माल्यार्पण कर जयघोष के साथ अनावरण किया गया ।

ततपश्चात भारत के समस्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों से उल्लेखित नीला गुब्बारा आसमान मे उड़ाकर छत्तीसगढ़ के समस्त नागरिकों को सन्देश दिया गया जिसमें संवैधानिक मूल्यों से ओतप्रोत यह अधिकारों और स्वतंत्रता का संकल्प सन्देश और उड़ान समस्त नागरिकों को प्राप्त हो और यही संविधान का लक्ष्य है। पश्चात

मुख्य अतिथि करमन खटकर द्वारा संविधान की उद्देशिका अर्थात संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वचन कराया गया जहां उपस्थित लगभग 5000 गणमान्य नागरिकों और विद्यार्थियों ने मिलकर वाचन किया। यह बताना लाजमी होगा कि होस्टल परिसर पर बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के प्रतिमा स्थापित करने के लिये जब से होस्टल प्रारम्भ हुआ और वर्तमान में जो होस्टल में निवासरत हैं सभी ने मिलकर छात्रावास परिसर में डॉ अम्बेडकर प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लेकर 26 नवम्बर संविधान दिवस को तिथि तय किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में करमन खटकर द्वारा बाबा साहब के विचार को व्यक्त करते हुए बताया कि डॉ. अम्बेडकर केवल संविधान के निर्माता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महान स्तंभ थे। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। यह प्रतिमा हमें सदैव न्याय और समावेशी समाज की ओर बढ़ने के लिए मार्गदर्शन करती रहेगी। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर के शिक्षा, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों में किए गए असाधारण योगदान पर अपने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहब के जीवन संघर्ष और संवैधानिक मूल्यों का सजीव चित्रण किया।

अंधविश्वास के प्रति छात्रों को जागरूक किया, दिखाए गया वैज्ञानिक चमत्कार सहित कौशल

कसेकेरा विद्यालय में वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बागबाहरा (समय दर्शन)। बागबाहरा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल कसेकेरा के संयुक्त तत्वाधान में अंधविश्वास और चमत्कार बनाम वैज्ञानिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमे संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा के संचालक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र गड़बेडा के युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर अपनी टीम के साथ हैरतअंगेज वैज्ञानिक चमत्कार विज्ञान के नवीनतम मॉडल से बच्चों को प्रैक्टिकल रूप से अवगत कराया ।वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर ने बताया कि उनके संस्थान द्वारा निरंतर अंधविश्वास को लोगो के मन से दूर करने के उद्देश्य से बैगा और पाखंडी बाबाओं के द्वारा किए जाने वाले चमत्कारो का वैज्ञानिक प्रदर्शन करके लोगो को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है ।कार्यक्रम के दौरान एक्यूप्रेशर के द्वारा तत्काल सर्दी गायब करना, शरीर की नमी से किसी भी अंग मे बल्ब जलाना, झूले से बिजली पैदा करना , गंगाजल से आग जलाना,सौर ऊर्जा से पंखा चलाना फूलों का रंग बदलना मुर्गी से अंडा और अंडा से मुर्गी बनाना आदि हाथ की सफाई और वैज्ञानिक चमत्कारो के संबंध मे विस्तार से बताया गया। इस वैज्ञानिक जागरूकता शिविर में उनके अनुसंधान केंद्र द्वारा बनाए गए एआई रोबोटिक्स मॉडल का प्रदर्शन भी किया गया।इस वैज्ञानिक जागरूकता शिविर में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के अध्यक्ष सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम, संचालक विज्ञान आश्रम ने व बताया प्रश्न पूछने की शुरुवात ही विज्ञान है हमें अपने अपने क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि कोण विकास के लिए सोचने समझाने की आवश्यकता है ।

कसेकेरा, प्रधान पाठक डा विजय शर्मा ने युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी, उन्होंने पूर्व छात्रों का उल्लेख करते हुए बताया कि आज वे वैज्ञानिक बनकर देश का नाम रोशन कर रहे है। विज्ञान व्याख्याता लोकेश्वर चंद्राकर, उच्च श्रेणी शिक्षक कोमन चंद्राकर, विज्ञान शिक्षिका श्रीमती कामाक्षी चंद्राकर, वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती लक्ष्मी साहू, जितेंद्र साहू, मोनेश देवांगन उपस्थित रहे।

लक्ष्मी पूजा महोत्सव में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान

बसना (समय दर्शन)। ग्राम नौगड़ी में भव्य रूप से लक्ष्मी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके आगमन पर ग्रामवासियों द्वारा पारंपरिक विधि से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि मोक्ष कुमार प्रधान ने मां लक्ष्मी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की और ग्राम व क्षेत्र की समृद्धि की मंगल कामना की।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में भाईचारे को मजबूत करते हैं और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर गाँव के अनेक सम्मानित नागरिक एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विशेष रूप से मोहरसाय ओगरे सरपंच प्रतिनिधि नौगड़ी,नरेश पटेल (पूर्व सरपंच),लिंगराज पटेल,लखेश्वर पटेल,सुरेश दास, बसंत प्रधान, अश्वनी प्रधान, प्रशांत पांडा, हिरदेश साहू,कुबेर प्रधान, उद्धव पात्र, निर्मल प्रधान, अखिलेश सामल इन सभी विशिष्ट अतिथियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई तथा ग्रामवासियों को शुभकामनाएं दीं।

महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय भव्य डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। दर्शक दीर्घा में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

ग्रामवासियों की उपस्थिति रही सराहनीय

पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणजन, महिलाएं, युवा समितियाँ और सामाजिक संगठन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं। ग्राम पंचायत एवं आयोजन समिति नौगड़ी ने मुख्य अतिथि मोक्ष कुमार प्रधान सहित सभी अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह महोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

अवैध धान पर कार्रवाई, 2986 कट्टा धान जब्त

कलेक्टर पहुंचे अंतर्राज्यीय जांच चौकी टेमरी, नर्रा और खट्टी

महासमुंद(समय दर्शन)। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में शासन के मंशानुरूप कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार अवैध धान भंडारण, परिवहन एवं बिक्री पर रोक लगाने संयुक्त टीम द्वारा सतत निगरानी रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात एवं आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व, मंडी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा अवैध धान भंडारण पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से कुल 2986 कट्टा अवैध धान जब्त किया गया। वहीं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह प्रतिदिन धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप धान खरीदी में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने आज बागबाहरा विकासखण्ड के अंतर्राज्यीय जांच चौकी टेमरी, नर्रा, खट्टी तथा धान खरीदी केन्द्र परसुली का मुआयना किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर रवि साहू, एसडीएम नमिता मारकोले, तहसीलदार नीतिन ठाकुर मौजूद थे।

शुक्रवार को भी अवैध परिवहन, भंडारण और विक्रय के लिए प्रयास कर रहे लोगों के विरूद्ध अलग-अलग कार्रवाई की गई। जिसमें पिथौरा अंतर्गत एसडीएम बजरंग वर्मा के नेतृत्व में राजस्व टीम द्वारा ग्राम श्रीरामपुर में मायाधार के घर से 81 कट्टा धान जब्त कर मंडी सचिव को कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसी तरह ग्राम छूवालीपतेरा में दयाराम जांगड़े के घर से 320 बोरी संदिग्ध धान मिला, जिसे राजस्व टीम ने जब्त कर मंडी अधिनियम अंतर्गत कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

इसी तरह बसना अंतर्गत एसडीएम हरिशंकर पैकरा के नेतृत्व में ग्राम जमनीडीह में दो प्रकरणों में 589 कट्टा एवं 53 कट्टा धान जब्त किया गया।

वहीं ग्राम पलसापाली के दो प्रकरण में 133 कट्टा एवं 59 कट्टा धान एवं 153 कट्टा धान ग्राम बंसुला मे जब्त किया गया। इसके अलावा, ग्राम मोहका में 55 कट्टा अवैध धान जप्त किया गया। सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत एसडीएम अनुपमा आनंद के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा ग्राम चारभाठा में 400 कट्टा अज्ञात अवैध धान तथा ग्राम सिंगबाहल में उपेंद्र साहू के घर व्यापारी दीपक साहू का 260 कट्टा अवैध धान जब्त कर थाना सिंघोड़ा को सुपुर्द किया गया।

12वी बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने दिए मार्गदर्शन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ के पीएमश्री स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने प्रायमरी बच्चों को ब्लैक बोर्ड में लिखे वाक्य को पढ़ने के लिए कहा, एक बालक ने अच्छे से पढ़कर सुनाया जबकि दायी ओर बैठे बच्चे पढ़ने के लिए तैयार थे वहीं बायी ओर बैठे बच्चों ने पढ़ने में असमर्थता जाहिर की। कलेक्टर ने शिक्षक को कक्षा के दोनों ओर बैठे बच्चों की शिक्षा के अंतर को मिटाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी शिक्षा दें जिससे कक्षा के सभी बच्चे समान रूप से समझ पाएं। बोर्ड परीक्षा की प्रारम्भिक तैयारी के मद्देनजर कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों से उनके तिमाही में पूछे गए सवालों के उत्तर को साझा करने के लिए कहा तब कुछ बच्चों ने जवाब दिए। डॉ कन्नौजे ने प्रश्न को ब्लैकबोर्ड में लिखने के लिए कहा तो 1 बालिका ने बढ़िया जवाब सूत्र के साथ लिखा। इसी प्रकार दूसरे विज्ञान संकाय के कक्षा में भौतिकी की तैयारी के संबंध में और कलेक्टर ने दोनों बोर्ड कक्षा में टॉपर बनने अपने को योग्य मानने वालों के बारे में कलेक्टर ने बच्चों को पूछा और मार्गदर्शन देते हुए कहा कि, भौतिकी, रसायन, गणित और वाणिज्य विषय के बोर्ड परीक्षा के कई वर्षों में आए प्रश्नों की अभ्यास करते रहेंगे तो आत्मविश्वास स्वयं आ जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि, परीक्षा के दिनों में खानपान का ध्यान रखे ताकि तबियत नहीं बिगड़े। साथ ही पढ़ाई के दौरान बीच बीच में टहलना आदि भी करें ताकि दिमाग पर बोझ नहीं लगे। कलेक्टर ने बच्चों को कहा कि हमेशा दिमाग़ को शांत रखें।

सीसी रोड़ निर्माण होने से व्यापार में आएगी तेजी- चंद्रप्रकाश

सीसी रोड निर्माण का किया भूमिपूजन

कवर्धा। नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत महावीर स्वामी वार्ड क्रमांक 23 में सत्यम जनरल स्टोर्स से लेकर महावीर स्वामी चौक तक प्रस्तावित सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, वार्ड पार्षद, व्यापारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में होने से एवं उखड़ी हुई सड़क के कारण क्षेत्र में धूल, गड्ढों और अव्यवस्थित आवागमन की समस्या बना हुआ था। व्यापारियों एवं स्थानीय परिवारों ने कई बार सड़क निर्माण की मांग की, जिसे ध्यान में रखते हुए इस मार्ग के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की।

इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, वार्ड पार्षद एवं सभापति रिंकेश वैष्णव, पार्षद डोनेश राजपूत, सौखी आहिरवार, हरीश कुंभकार, जसवंत छाबड़ा अतुल देशलहरा, प्रेमचंद श्रीश्रीमाल, डॉ.अतुल जैन, जसवंत छाबड़ा, कमल आहूजा, अमित शर्मा, हरदीप सलूजा, राजेन्द्र शर्मा, कौशल कौशिक, हामिद सिद्दिकी, सोनू चांवला, सुरजीत सिंह खुराना, गोल्डी बग्गा, श्याम चकोर, द्वारिका गुप्ता, सूचित बोथरा, अविनाश पारख, प्रमोद लुनिया, अनिल लुनिया, प्रतीक लुनिया सहित अधिक संख्या में व्यापारीगण उपस्थित थे।

समस्याओं का निराकरण ही पहली प्राथमिकता- नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने व्यापारियों से चर्चा में कहा कि वार्ड क्रमांक 23 का यह मार्ग लंबे समय से नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। आपकी समस्याएँ हमारी प्राथमिकता हैं और नगर में जहाँ भी असुविधा है उसे दूर करने का दायित्व पूरा पालिका टीम का है। नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हम विभिन्न विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। अब यह सीसी रोड के बन जाने से न केवल धूल और गंदगी की समस्या समाप्त होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी सुगमता मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कवर्धा शहर को स्वच्छ, सुंदर व विकसित कवर्धा के रूप में निर्माण करना।

व्यापारियों ने जताया आभार- सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान अब होने जा रहा है। उनका कहना है कि नए सीसी रोड से आवागमन सुरक्षित होगा तथा आसपास के घरों और दुकानों को धूल से मुक्ति मिलेगी। वार्डवासियों ने नगर पालिका टीम एवं अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क का निर्माण निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण होगा।

संक्षिप्त-खबर

नायब तहसीलदार कंवर के स्थान पर श्रीमती बंजारे होंगी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए विधानसभा क्षेत्र 67 अहिवारा अंतर्गत श्री चन्द्रशेखर कंवर नायब तहसीलदार के स्थान पर श्रीमती योगिता बंजारे नायब तहसीलदार अहिवारा को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया है। आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार श्रीमती बंजारे आयोग के निर्देशानुसार एवं विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 67 अहिवारा के मार्गदर्शन में समय-सीमा में कार्य सम्पादित करना सुनिश्चित करेंगी।

49 हजार लोगों को कराना होगा राशनकार्ड का ईकेवायसी

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में प्रचलित कुल 222996 राशनकार्डों में कुल 674767 हितग्राही है। जिला खाद्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार इसमें से कुल 49 हजार हितग्राहियों का ईकेवायसी किया जाना शेष है। इस संबंध में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से ईकेवायसी किया जाना है। अत: जिले के समस्त राशनकार्ड हितग्राहियों से अनुरोध है कि अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान से सम्पर्क कर अपना ईकेवायसी अनिवार्य रूप से करावें। 05 दिसम्बर 2025 तक जिन राशनकार्ड हितग्राहियों का ईकेवायसी नहीं होने से राशनकार्ड निरस्त होने की संभावना बनी हुई है।

एनएचएम अंतर्गत सोशल वर्कर की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और नियमसंगत

दुर्ग (समय दर्शन)। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत सोशल वर्कर-एनएमएचपी के पद पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञापन में यह स्पष्ट किया था कि सोशल वर्कर पद के लिए शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर एमफिल साईकाईट्रिक सोशल वर्क की अर्हता रखने वालों को वरीयता (प्राथमिकता) दी जाएगी। इस प्राथमिकता के अनुरूप, 06 जून 2025 को जारी मेरिट सूची में एमफिल अर्हताधारी उम्मीदवार को प्रथम स्थान पर रखा गया था। कौशल परीक्षा के बाद, चयन समिति ने विज्ञापन के नियमों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने के लिए 18 नवंबर 2025 को जारी की गई सोशल वर्कर की चयन सूची को संशोधित किया। इस संशोधित सूची में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि भर्ती विज्ञापन की शर्तों के अनुसार एमफिल साइकाईट्रिक सोशल वर्क को चयन सूची में वरीयता दी गई है। यह संशोधन दर्शाता है कि भर्ती प्रक्रिया में तथ्यों और योग्यता पर पूरा ध्यान दिया गया है। इसके अतिरिक्त, सरल क्रमांक 04 और 05 के तहत अन्य क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट पदों की चयन प्रक्रिया में भी इसी वरीयता के आधार का पालन किया गया है, जिसकी सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस प्रकार, पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शी और नियम संगत रही है।

अंतरराज्यीय तस्करों से 25 लाख का गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

महासमुंद(समय दर्शन)। अवैध गांजा परिवहन कर रहे अंतरराज्यीय तस्करों के कब्जे से महासमुंद पुलिस ने 25 लाख रुपए का 50 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर कोमाखान थाने में नारकोटिक्स एक्ट की धाराओं के तरह अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मामले को लेकर कोमाखान थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार पुलिस को 27 नवंबर को सूचना मिली थी कि 2 व्यक्ति एक पुरानी सिल्वर कलर की मारूति कंपनी की स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक एमएच 04 डीएन 9512 के पीछे सीट में 03 सफेद रंग की बोरियों के अंदर अवैध रूप से गांजा रखकर विक्रय के लिये ओडिशा राज्य की ओर से महासमुंद की ओर आ रहे हैं।

इस सूचना के बाद टेमरी नाका पहुंच कर घेराबंदी की गई। जब उक्त हुलिए की कार आती दिखी तो उसे रोका गया। पूछताछ करने पर ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम बाबी सैनी पिता अशोक कुमार सैनी (31 साल) निवासी एस-2 कांशीद्वार बिल्डिंग वालकेश्वरवाडा पेन्हा दी फ्रांस बार्देश थाना परवरी जिला पणजी नार्थ गोवा एवं ड्रायवर सीट के बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम प्रकाश बेहरा पिता नरेंद्र बेहरा (26 साल) निवासी गीत गोविंद बिल्डिंग एकता नगर सिरोली थाना सिरोली जिला पुणे महाराष्ट्र होना बताया। साथ ही कार के पीछे सीट में 03 सफेद रंग की प्लास्टिक बोरियों के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना बताया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर प्रकाश बेहरा ने बताया कि नपुर ओडिसा निवासी मिलन जब गोवा घूमने आया था तब उससे जान पहचान हुई थी। जिसने बताया कि हमारे ओडिशा में गांजा की खेती पहाड़ों में होती है। यहां कोई भी पुलिस वाले धरपकड़ नहीं करते है और सस्ता में गांजा मिलता है। आप लोग मेरे पास आना और मैं गांजा दिला दूंगा, जिसे आप लोग गोवा में लाकर बाहर से आये सैलानी/टूरिस्ट लोगों को अच्छे दामों में बेच कर खूब पैसा कम सकते हो। इसके बाद वे लोग गोवा से 03 दिन गुनपुर ओडिशा के लिए निकले थे। बाद गुनपुर पहुंचकर मिलन से संपर्क कर 03 सफेद रंग की प्लास्टिक बोरियों छोटा बडा में गांजा भरकर दिया। बदले में हम लोगों ने 50,000 रुपए नगद दिये तथा बाकी पैसा गोवा पहुंचने के बाद फोन पे या अन्य ऑनलाइन के माध्यम से देने की बात कही। इसके बाद कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने कुल 50 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 25 लाख रुपए को बरामद किया।

खबर-खास

सिलादेही में राउत नाचा उत्सव
यादव समाज ने घर-घर कर दिखाया पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन

बिर्रा (समय दर्शन)। ग्राम सिलादेही में इस वर्ष भी यादव समाज द्वारा पारंपरिक राउत नाचा उत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। राउत समाज के युवाओं ने अपने पारंपरिक राउत वेश-भूषा में सजकर गांव के घर-घर जाकर राउत नाचा प्रस्तुत किया, जिससे पूरा गांव उत्सव के रंग में रंग गया।ढोल-नगाड़ों की थाप और धन गांव बाजा पार्टी की मधुर धुनों ने वातावरण को और अधिक उल्लासपूर्ण बना दिया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता कर कलाकारों का स्वागत-सत्कार किया। इस दौरान गांव में लगातार जय माधव - जय यादव के जयघोष गूंजते रहे। राउत नाचा हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। इसे जीवित रखना और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हर यादव समाज का कर्तव्य है। इस आयोजन को सफल बनाने में भुजबल यादव, दादू राम यादव, विकास यादव, दिले यादव, छोटू यादव, दुर्गेश यादव, गोलू यादव, मिलन यादव और पवन यादव का विशेष योगदान रहा।

जांजगीर में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण एक दिसंबर से

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय जांजगीर के वार्ड नंबर-24 में भीमा तालाब के पास गुप्ता परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का आयोजन एक दिसंबर 2025 से रखा गया है। कथा व्यास पीठ पर पंडित कामता प्रसाद विराजमान होंगे। वहीं पंडित सुजल दास वैष्णव उनके साथ रहकर प्रतिदिन कथा पाठ करेंगे।

आयोजक भोज राम गुप्ता एवं श्रीमती राजेश्वरी गुप्ता ने बताया कि स्व. छोटेलाल गुप्ता एवं स्व. श्रीमती कौशल्या बाई गुप्ता की स्मृति में हमारे निवास स्थान वार्ड नंबर-24 भीमा तालाब के पास जांजगीर में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण एक दिसंबर 2025 को कलश यात्रा एवं देवी पूजन के साथ प्रारंभ होगा। इसी क्रम में दो दिसंबर 2025 को सृष्टि उत्पत्ति एवं मधु कैटभ जन्म, तीन दिसंबर 2025 को व्यास जन्म व हैग्रीव जन्म, चार दिसंबर 2025 को सुदर्शन उपाख्यान एवं हरिश्चंद्र कथा, पांच दिसंबर 2025 को सती चरित्र एवं मां पार्वती जन्म, छह दिसंबर 2025 को शिव विवाह एवं ताड़कासुर वध, सात दिसंबर 2025 को गणेश जन्म एवं जलंधर चरित्र, आठ दिसंबर 2025 को मां काली, चामुंडा, शुंभ- निशुंभ वध, नौ दिसंबर 2025 को महिषासुर वध, रक्तबीज संहार, हवन, चढ़ोत्री व शोभायात्रा एवं 10 दिसंबर 2025 को गीता पाठ, चढ़ोत्री व ब्राह्मण भोज कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजन को सफल बनाने में प्रकाश गुप्ता, श्रीमती कविता गुप्ता, रवि गुप्ता, श्रीमती मधु गुप्ता, विजय केशरवानी, श्रीमती आरती केशरवानी, प्रतीक गुप्ता, प्रगति गुप्ता, आयुष गुप्ता, विमान गुप्ता, अंशु केशरवानी, वीरू केशरवानी सहित गुप्ता परिवार के अन्य सदस्य जुटे हुए हैं।

केषोडार से लगे जंगल में रखें 150 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर भगवान सिंह उईके के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी गजेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम ने वृत्त गरियाबंद के अंतर्गत गश्त के दौरान ग्राम केशोडार से लगे जंगल में कच्ची मदिरा विनिर्माण के संभावित स्थलों पर कार्यवाही कर जंगल में रखे 150.00 बल्क लीटर अवैध कच्ची मदिरा मिली। जिसे आबकारी विभाग ने कब्जे में ले लिया।जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी की पतासाजी की जा रही है।इस दौरान आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव, रजतचंद ठाकुर,आबकारी मुख्य आरक्षक,चंदलोल गायकवाड़,नगर सैनिक संजय नेताम,महिला नगर सैनिक हेमबाई साहू, तथा वाहन चालक गोवर्धन सिन्हा का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जिला बाल संरक्षण इकाई में रिक्त पदों (संविदा) की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित जिला बाल संरक्षण इकाई जिला दुर्ग में मिशन वात्सल्य के तहत रिक्त पदों हेतु संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग (आईसीपीएस) से प्राप्त स्वीकृति के अनुरूप संविदा भर्ती हेतु पात्र आवेदकों से 15 दिसम्बर 2025 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि जिला बाल संरक्षण इकाई में रिक्त विभिन्न पदों की पूर्ति हेतु राज्य शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। उपरोक्त स्वीकृति के अनुक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखभाल), विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, लेखापाल, आउटरीच वर्कर के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन जारी किया गया है।

नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

पॉक्सो एक्ट की धारा 06 एवं 4(2) एवं भा.न्या.सं. की धारा 137(2) तथा 87 के तहत सजा

गरियाबंद (समय दर्शन)। नाबालिग पीडिता को प्रेमजाल में फंसाकर भगाने व शादी करने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी पोषराम ध्रुव पिता अर्जुनलाल ध्रुव उम्र 21 वर्ष, निवासी मुड़गांव, थाना-छुरा जिला गरियाबंद को फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय (पॉक्सो एवं बलात्कार मामलें), गरियाबंद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर ने 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया हैं।इस संबंध में शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसकी नाबालिग पुत्री उम्र 13 वर्ष 4 माह, जो 25 अगस्त 2024 को दोपहर घर में बिना किसी को बताये कहीं चली गई तथा आस-पास पता तलाशी के बाद भी नहीं मिलने पर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री, पीड़िता को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत पर थाना फिंगेश्वर द्वारा अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान पीड़िता की दश्तयाबी पश्चात् यह बताये जाने पर कि आरोपी पोषराम ध्रुव द्वारा उसे नाबालिग जानते हुए प्रेमजाल में फंसाकर अपने साथ भगा ले गया था और अपने गाँव के खेत के सुनसान मकान में रखकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किये जाने पर आरोपी के विरूद्ध धारा 137 (2), 64 (2)(ड), 65(1) भार. न्याय संहिता एवं धारा 04, 06 पॉक्सो एक्ट के तहत् न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।अभियोजन की ओर से उक्त अपराध को प्रमाणित करने हेतु अपने पक्ष समर्थन में कुल 11 साक्षियों का कथन कराये जाने के पश्चात् अंतिम बहस में विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने उक्त अपराध के लिए आरोपी को कठोर से कठोर दण्ड दिये जाने का आग्रह न्यायालय से किया।ताकि नाबालिग लड़कियों को भगाने व ऐसे अपराध की प्रवृति में कमी लाया जा सके।फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर द्वारा प्रकरण की गंभीरता,अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों का परिशीलन करते हुए आरोपी द्वारा नाबालिग पीड़िता को प्रेम व शादी का झांसा देकर भगा ले जाने और उसके साथ लगातार जबरदस्ती दुष्कर्म का अपराध करना प्रमाणित पाये जाने पर आरोपी पोषराम ध्रुव को पॉक्सो एक्ट की धारा 06 एवं 4 (2) के तहत् 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो हजार रूपयें के अर्थदण्ड, भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (2) के तहत् 02वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये का अर्थदण्ड व धारा 87 के तहत् 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया हैं।

सुविधायुक्त, पारदर्शी और तीव्र गति से धान खरीदी प्रक्रिया संपन्न होने पर गदगद हुए किसान बद्दू राम

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को मिला संबल, ऑनलाइन टोकन सुविधा से किसानों का हुआ समय की बचत

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 कविंटल धान की खरीदी की जा रही है। इसी कड़ी में अकलतरा विकासखंड के ग्राम झलमला के किसान श्री बद्दू राम आज धान खरीदी केंद्र पकरिया झूलन पहुंचे और 14.80 क्विंटल धान का विक्रय किया। धान खरीदी केंद्र पहुंचते ही श्री बद्दू राम ने देखा कि केंद्र में किसानों के लिए छांव, पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था, सुगम प्रवेश मार्ग सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से उनके धान की खरीदी पूरी पारदर्शिता के साथ तत्काल की गई, जिससे वे बेहद संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि 3100 रुपए प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य किसानों के लिए एक बड़ी सौगात है, जिससे खेती के प्रति आत्मविश्वास और आर्थिक मजबूती दोनों बढ़ रही है। किसान श्री बद्दू राम ने बताया कि शासन की तुंहर टोकन एप सुविधा ने किसानों की बड़ी समस्या हल की है। अब घर बैठे ही मोबाइल से टोकन काट लिया जाता है और बार-बार केंद्र में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। आधुनिक तकनीक, सरल प्रक्रिया, पारदर्शिता और किसानों के हित में किए गए सुधारों ने बद्दू राम जैसे हजारों किसानों के चेहरों पर मेहनत की फसल का सुकून और खुशी ला

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में महासमुन्द जिला प्रदेश में अव्वल

जिले ने रचा कीर्तिमान, राज्य में सर्वाधिक 1 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूरा

महासमुंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ देश के उन सभी नागरिकों तक पक्की छत पहुँचाने का संकल्प लिए आगे बढ़ रही है, जिनके सिर पर अब तक अपना घर नहीं था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे इस महाअभियान को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने गति और मजबूती दोनों दी है। परिणामस्वरूप पात्र हितग्राहियों को पक्के घर का सपना अब हकीकत में बदल रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले ने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2016 से 2024-25 की अवधि में कुल 1 लाख 36 आवासों का निर्माण कर इतिहास रच दिया है, जो पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में किसी भी जिले द्वारा प्राप्त सर्वाधिक उपलब्धि है। जिंदगी भर कच्चे मकानों में रहने वाले एक लाख परिवार अब अपने नए, सुरक्षित और सम्मानजनक पक्के घर में सपनों की नई शुरुआत कर रहे हैं। जिला प्रशासन की सतत् मॉनिटरिंग, टीमवर्क और दृढ़ संकल्प के चलते लगभग एक लाख ग्रामीण परिवारों को नया, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त हुआ है। यह सफलता ग्रामीण क्षेत्रों में आवास संकट को दूर करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर विनय लंगेह के कुशल नेतृत्व जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम भावना ने इस लक्ष्य को वास्तविक रूप दिया। लगातार फील्ड विज़िट, गुणवत्ता जांच और पारदर्शिता इस सफलता के प्रमुख बिंदु रहे। जिले को प्रधानमंत्री आवास योजना में कुल 1 लाख 29 हजार आवासों का लक्ष्य मिला है, जिनमें से शेष आवासों का निर्माण भी तेज गति से जारी है। प्रशासन ने कहा है कि आगामी महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य जल्दी ही प्राप्त कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही ग्राम बरेकेल कला के श्रीमती अंगुरी बाई ने भावुक होकर बताया कि उनके सपनों का घर बनने से वे बहुत खुश है। वे कहती है कि यह घर मेरे बुढ़ापे का सहारा बन गया है। पहले खपरैल के घर में बारिश के दिनों में पानी टपकने से, तो ग्रीष्म में धूल और गर्मी की समस्या से उन्हें बहुत अधिक परेशानी होती थी। वे इस दौर में हमेशा गांव में जब भी दूसरे के पक्के मकान देखती थी, मन में बस एक ही ख्वाहिश उठती थी कि उनका भी अपना छत का घर होता। आज प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके उन अधूरे सपनों को पूरा कर उनके समस्याओं को दूर किया है। इसके लिए उन्होंने शासन एवं प्रशासन का दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया है। आवास के एक और हितग्राही श्रीमती शिवबती ध्रुव ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उनके सपनों का घर बनकर तैयार हो गया है।

प्रभारी सचिव श्रीमती संगीता ने जिले के धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

धान विक्रय करने आएं किसानों से की चर्चा

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने धान खरीदी केंद्र गरियाबंद तथा पाण्डुका का निरीक्षण किया।इस दौरान कलेक्टर बी.एस.उईके, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के.,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति थे। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन कर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।प्रभारी सचिव ने केंद्रों पर बारदाना की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, टोकन वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने तथा किसानों की उपस्थिति में ही धान की आर्द्रता मापन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिदिन खरीदी की जाने वाली कुल धान खरीदी की सही व समयबद्ध एंट्री सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने केंद्र परिसर में किसानों के लिए पेयजल,छाया,स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तौल व्यवस्था की नियमित निगरानी,धान के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, साथ ही किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। प्रभारी सचिव ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा अनुरूप धान खरीदी प्रक्रिया को सफल और पारदर्शी बनाएं। निरीक्षण के अवसर पर प्रभारी सचिव द्वारा किसानों से चर्चा करते हुए व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

विजय शर्मा कवर्धा प्रीमियर लीग पोस्टर का विमोचन

कवर्धा में 13 दिसंबर से युवा एवं बुजुर्गों को मिलेगा खेलने का अवसर

कवर्धा (समय दर्शन)। विधानसभा कवर्धा में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक नई पहल करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय कवर्धा में विजय शर्मा कवर्धा प्रीमियर लीग के पोस्टर का बटन दबाकर विधिवत विमोचन किया। उन्होंने स्वयं बल्ले से प्रतीकात्मक शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया।

विधानसभा स्तरीय 13 दिसंबर से शुरू हो रही इस प्रतियोगिता में 7 मंडलों की टीमें हिस्सा लेंगी। ग्रामीण मंडल को ग्राम पंचायतवार और कवर्धा शहर को वार्डवार टीमों का गठन किया गया है। प्रतियोगिता टेनिस बॉल क्रिकेट मैच के रूप में खेली जाएगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कवर्धा विधानसभा के सभी 7 मंडल की टीमों के लिए तैयार विशेष मैच जर्सी को भी विधिवत लॉन्च किया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में पहली बार ऐसी प्रतियोगिता होने जा रही है, जिसमें केवल युवा ही नहीं बल्कि बुजुर्ग खिलाड़ी भी अपने-अपने वार्ड से हिस्सा ले सकेंगे। इससे समाज में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनेगा और नई पीढ़ी को फिटनेस एवं अनुशासन का संदेश मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं सामाजिक समरसता को भी मजबूत करती हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चद्रवंशी, श्रीमती सतविंदर पाहूजा, खिलेश्वर साहू सहित जनप्रतिनिधि, युवा, खिलाड़ी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता को और अधिक रोचक बनाने के लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई है। विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम ईनाम 1 लाख 11 हजार रुपए, दूसरा ईनाम 51 हजार और तीसरा ईनाम 31 हजार रुपए है।

क्षेत्र के खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल

पोस्टर विमोचन के बाद क्षेत्र के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों ने इस आयोजन के लिए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का अवसर पहली बार मिला है, जिससे क्षेत्र की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिलेगा।

एनआईटी रायपुर की टीम द्वारा दुर्ग जिले में मनरेगा एवं पीएम आवास निर्माण कार्यों का निरीक्षण

दुर्ग। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के सहायक प्राध्यापक (नोडल ऑफिसर) डॉ. विकास कुमार एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. चन्दन सिंह द्वारा आज दुर्ग जिले में जिला पंचायत दुर्ग के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने महात्मा गांधी नरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जारी निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थल भ्रमण कर मूल्यांकन किया। निरीक्षण कार्यों में चेक डैम निर्माण-ग्राम थनौद में नवीन चेक डैम निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मिट्टी कार्य एवं जल धारण क्षमता का अवलोकन। चेक डैम जीर्णोद्धार - थनौद में पूर्व निर्मित संरचना के सुधार, मजबूती और जल संरक्षण क्षमता का परीक्षण। वृक्षारोपण कार्य - अंजोरा (ख) में पौधारोपण की संख्या, जीवितता प्रतिशत एवं संरक्षण उपायों की समीक्षा। गौठान में डबरी निर्माण - अंजोरा (ख) में जल संचयन हेतु डबरी के आकार, सफाई एवं तकनीकी मानकों का निरीक्षण। अमृत सरोवर - थनौद में सरोवर की गहराई, तट सुदृढ़ीकरण, जलभराव एवं सौंदर्यीकरण कार्य का परीक्षण।

-:: निविदा विज्ञप्ति ::-

14वीं वाहिनी (भा./र.) छ.स.बल धनोरा जिला बालोद (छ.ग.) में निम्नालिखित अनुपयोगी सामान की नीलामी हेतु सील बन्द निविदांए आमंत्रित किये जाते है, सील बंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम पता एवं दुरभाष नम्बर लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र0	सामग्री का नाम	मात्रा
01	अनुपयोगी मोटर पार्टस	194 कि.ग्रा.
02	टायर अलग अलग साईज	51 नग
03	ट्यूब अलग अलग साईज	31 नग
04	फ्लेप अलग अलग साईज	14 नग

नीलामी प्रक्रिया की शर्त निम्नानुसार है :-

01. निविदा फार्म 100 रूपये मूल्य का चालान शीर्ष 0055 पुलिस मिशलेनियस पुलिस रिसिप्ट के अंतर्गत सेनानी 14वीं वाहिनी (भा./र.) छ.स.बल धनोरा जिला बालोद के नाम जमा कर व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में दिनांक 05.12.2025 से 11.12.2025 तक 11.00 बजे से 17.00 बजे तक प्राप्त कर सकतें है, निविदा फार्म का शुल्क वापस नही किया जावेगा।
02. निविदा फार्म के साथ 5,000.00 (पांच हजार) रूपये धरोहर राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में सेनानी 14वीं वाहिनी (भा.र.) छ.स.बल धनोरा जिला-बालोद को देय होगा। जो स्टेंट बैंक ऑफ इण्डिया के शाखा गुरूर के कोड क्र. 18092 में भुगतान हेतु जमा किया जावें।
03. निविदा स्वीकार होने पर लगाई गई कीमत का 10 प्रतिशत राशि तत्काल जमा करना अनिवार्य होगा शेष राशि बैंक ड्राफ्ट/नगद 07 दिवस के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा जिसमें प्रतिभूति राशि समायोजित कर ली जावेगी। निविदा में उल्लेखित सामान 07 दिवस के भीतर ले जाना सुनिश्चित कारें। अन्यथा धरोहर राशि राजसात कर ली जायेगी।
04. अस्वीकृत निविदा की प्रतिपूर्ति राशि निविदाकर्ता को वापस कर दी जावेगी जिसे प्राप्त करने की जवाबदारी निविदाकर्ता को स्वंय होगी।
05. दर्शाये गये टायर, ट्युब, मोटर पार्ट्स की कीमत एक साथ भरा जावें।
06. कमेटी को अधिकार होगा कि बिना कारण बताए किसी भी निविदाओं को अस्वीकृत या पूर्णतः अमान्य कर दें।
07 इच्छुक व्यक्ति दिनांक 05.12.20025 से 11.12.2025 तक प्रातः 11:00 बजे से 17:00 बजे तक कार्य दिवस में 14वीं.(भा./र.) छ.स.बल धनोरा परिवहन शाखा में टायर,ट्यूब, एवं कण्डम मोटर पार्ट्स का निरीक्षण कर सकतें है।
08 बंद निविदाएं दिनांक 12.12.2025 को प्रातः 08.00 बजे से 14.00 बजे तक जमा कर सकतें है, एवं नीलामी की कार्यवाही दिनांक 12.12.2025 को 14वीं वाहिनी (भा.र.) छ.स.बल धनोरा जिला - बालोद में दोपहर 15.00 बजे निविदाकर्ताओं के समक्ष कमेटी द्वारा खोली जावेगी।

सेनानी
14वीं वाहिनी (भा.र.) छ.स.बल
धनोरा, जिला- बालोद (छ.ग.)

जी-252605109/1

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
कार्यालय – बालोद वनमंडल बालोद
काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्सन व्दारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बालीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि – 16/12/2025
समय – प्रातः 09:00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	12.186	172	496	435.614	1868	2352	447.800	2040	2848
2	बीजा	0.000	0	0	92.430	5	3	92.430	5	3
3	साजा	5.929	0	0	41.979	3	0	47.908	3	0
4	कसही	0.000	0	0	15.220	0	0	15.220	0	0
5	धावड़ा	0.000	0	0	18.482	1	0	18.482	1	0
6	हल्दू/मुण्डी	0.000	0	0	11.678	0	0	11.678	0	0
7	कर्रा	0.000	120	20	57.780	68	5	57.780	188	25
8	मोदे	0.000	0	0	2.978	0	0	2.978	0	0
9	अन्य	5.808	0	0	47.376	124	0	53.184	124	0
	योग :-	23.923	292	516	723.537	2069	2360	747.460	2361	2876
10	जलाऊ चट्टा	16.5 चट्टा			13.5 चट्टा			30 चट्टा		
11	व्यापारिक बांस	-			30871 नग = 70.128 नो.टन.			30871 नग = 70.128 नो.टन.		
12	औद्योगिक बांस	-			6135 बंडल = 64.030 नो.टन.			6135 बंडल = 64.030 नो.टन.		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

जी-252605058/2

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

मोदी संग बढ़त हे छत्तीसगढ़

पीएम आवास योजना
26 लाख
से अधिक परिवारों को पक्की छत देने वाले

महतारी वंदन योजना
70 लाख
महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने वाले

पीएम किसान सम्मान निधि
26 लाख
किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने वाले

तेंदूपत्ता संग्रहण दर ₹5500 मानक बोरा
13 लाख
संग्राहक परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाले

उद्यम क्रांति योजना
युवाओं को स्वरोज़गार के लिये **50% सब्सिडी** पर ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने वाले

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना
5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष **₹10,000** की आर्थिक सहायता देने वाले

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
37 लाख
महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने वाले

श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना
37 हजार
से अधिक राम भक्तों को अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा कराने वाले

छत्तीसगढ़ में शांति, विश्वास और विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक

स्वागत.वंदन. अभिनंदन

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in